नई दिल्ली । सोमवार, 08 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :153/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारतीय महिला टीम ने 4x100 मीटर रिले रेस में जीता...
@ विचार संपत्ति की जांच कब होगी आलीशान कोठियों...
@ व्यापार पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर ...

एजुकेशन सिस्टम में बड़े बदलाव के संकेत

राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपाल लेगें हिस्सा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऐसे समय जब पूरे देश में पेपर लीक की लगातार हो रही घटनाओं से देश की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा गर्म है । तब पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली एक अहम बैठक में देश के शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कुछ अहम विषयों पर विमर्श होने जा रहा है।

11 जून को नीति आयोग की बैठक

11 जून, 2026 को यह बैठक नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की होगी, जिसमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लिए जरूरी मानव संसाधन के विकास, बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, सेकेंडरी स्तर की शिक्षा व्यवस्था, बच्चों की एक्स्ट्रा कैरीकुलर एक्टीविटीज यानी पढ़ाई के लिए अलावा बच्चों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, लीडरशिप कार्यक्रम आदि को लेकर किस तरह की नीति बनाई जाए, इस पर बहस होगी। साथ ही किस तरह से राज्यों में नियमों व व्यवस्थाओं को ज्यादा से ज्यादा उदारवादी बना कर आर्थिक प्रगति की रफ्तार तेज की जाए, इस पर भी विमर्श होगा।

शिक्षा व्यवस्था पर गहन चर्चा

बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के हिस्सा लेने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि आगामी बैठक में सीधे तौर पर पेपर लीक से जुड़े मुद्दे तो शामिल नहीं है लेकिन बहुत संभव है कि कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की तरफ से इस मुद्दे को उठाया जाए। चूंकि पहले ही सभी राज्यों को यह संदेश दिया गया है कि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कुछ अहम विषयों पर चर्चा होनी है लिहाजा मुख्यमंत्री इस बारे में अपने सुझाव दे सकते हैं ।मुख्य तौर पर विकसित भारत के लक्ष्यों के मुताबिक मौजूदा शिक्षा व्यवस्था को किस तरह से बदला जाए और इस बारे में केंद्र व राज्यों के बीच किस तरह से सामंजस्य हो, इसको लेकर ज्यादा फोकस रहेगा।

एशिया के सबसे अमीर व्यति बने गौतम अदाणी

संपत्ति 89 अरब डॉलर के पार: फोर्ब्स

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति बढ़कर 89.2 अरब डॉलर हो गई, जो उन्हें एशिया में सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है। यह जानकारी फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलेनियर्स लिस्ट में दी गई । अदाणी के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 88 अरब डॉलर के साथ दूसरे और सॉफ्टबैंक के मासायोशी सोन 87 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर है।

सोन गुरुवार को जापानी निवेश फर्म के शेयरों में गिरावट से पहले एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे।

गौतम अदाणी की संपत्ति का मुख्य स्त्रोत अदाणी समूह की कंपनियों में हिस्सेदारी है।

अदाणी समूह की छह कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग शुक्रवार तक 191 अरब डॉलर था। इसमें अदाणी पावर 47.2 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ शीर्ष पर था। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स का मूल्यांकन 44.2 अरब डॉलर, अदाणी एंटरप्राइजेज का वैल्यूएशन 44 अरब डॉलर, अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केट 26.4 अरब डॉलर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का वैल्यूएशन 19.9 अरब डॉलर और अदाणी टोटल गैस का मार्केट कैप 8.8 अरब डॉलर था।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की संपत्ति में पिछले महीने अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करने के बाद से लगभग 10 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। ये आरोप सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों को लेकर 250 मिलियन डॉलर के लेनदेन में समूह की भागीदारी के थे। हालांकि, अदाणी समूह ने इन दावों का खंडन किया था।

एशिया के सबसे धनी व्यक्ति के रूप में उनकी वापसी हाल के वर्षों में उनकी कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट के बाद हुई है, जो कई आरोपों के कारण हुई थी। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग रिसर्च ने 2023 में अदाणी पर स्टॉक में हेरफेर और व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

सक्षिप्त खबर

बिहार भाजपा में संगठनात्मक बदलाव

पटना। बिहार भाजपा ने संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश स्तर पर नई जिम्मेदारियों का ऐलान किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के निर्देश पर पार्टी के प्रदेश महामंत्रियों को अलग-अलग संभागों (जोन) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन जोनों में संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों और पार्टी के विस्तार कार्यों की निगरानी संबंधित प्रभारी महामंत्री करेंगे।

जारी लिस्ट के अनुसार, प्रदेश महामंत्री धनराज शर्मा को मिथिला और तिरहुत संभाग का प्रभारी बनाया गया है। उनके जिम्मे दरभंगा पूर्वी, दरभंगा पश्चिमी, मधुबनी, झंझारपुर, समस्तीपुर उत्तरी, समस्तीपुर दक्षिणी, वैशाली उत्तरी, वैशाली दक्षिणी, मुजफ्फरपुर पूर्वी, मुजफ्फरपुर पश्चिमी, सीतामढ़ी और शिवहर जिले की संगठनात्मक जिम्मेदारी रहेगी।

'अगर सोनिया गांधी प्रस्ताव दें, तो क्या मैं मना कर दूंगा?

गहलोत का कांग्रेस पर बड़ी साजिश का आरोप

एजेंसी ■ जयपुर

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, 'मुझे कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से रोकने की साजिश हुई थी। मैं तो राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहता था, मैं क्यों मना करता। अशोक गहलोत ने आगे कहा, 'स्थितियां ऐसी बना दी गईं अचानक पर्यवेक्षक जयपुर आ गए, मैं बदनाम हो गया कि मैं सीएम पद नहीं छोड़ना चाहता था। पूरे देश में यह संदेश गया कि गहलोत सीएम बने रहना चाहते हैं, कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं। लेकिन मैं अब यह कैसे समझाऊं कि मेरे खिलाफ गलत माहौल बना दिया गया था।'

गहलोत का कांग्रेस पर बड़ी साजिश का आरोप

गहलोत ने रविवार को जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'साल 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल मे हुए सियासी संकट के लिए भाजपा जिम्मेदार है। 25 सितंबर, 2020 का घटनाक्रम तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उस व्यक्ति के खिलाफ हुआ था, जिसका नाम (सचिन पायलट) चल गया था कि वे सीएम पद की शपथ ले सकते हैं।'

गहलोत ने बताया, 'यह घटनाक्रम आलाकमान के खिलाफ बगावत नहीं, बल्कि पायलट के खिलाफ थी।

विधायक नहीं चाहते थे कि पायलट सीएम बने, यह अब भी मुद्दा बना हुआ है। यह माहौल बनाया गया था कि गहलोत सीएम पद से जा रहे हैं।'

पायलट को सीएम नहीं बनाना चाहते थे विधायक

अशोक गहलोत ने बताया, 'भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने की साजिश हुई थी, हम (कांग्रेस विधायक) होटलों में बंद रहे। उस समय हमने कहा था कि चाहे हम में से किसी भी विधायक को सीएम बना दो, लेकिन पायलट नहीं बनने चाहिए।

गहलोत ने कहा, 'उस समय आलाकमान की ओर से भेजे गए मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन विधायक दल की बैठक तत्काल बुलाकर एक पंक्ति का फैसला प्रस्ताव पारित करवाना चाहते थे।

'समझौते से पहले नहीं देंगे कोई राहत' : ट्रंप

एजेंसी ■ तेल अवीव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन ईरान के साथ किसी समझौते पर पहुंचने से पहले उसकी जब्त हुई संपत्तियों को नहीं लौटाएंगे। मीडिया को दिए गए एक साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रतिबंधों से किसी भी प्रकार की राहत केवल ईरान द्वारा भविष्य के समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद ही दी जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिबंधों में ढील देने पर चर्चा शुरू होने से पहले तेहरान को अपनी नीयत और प्रतिबद्धता का सबूत देना होगा। उन्होंने कहा, 'समझौते के बाद। हां। अगर वे ठीक व्यवहार करते हैं, अगर वे अच्छा काम करते हैं, तो हम बातचीत शुरू करेंगे। हां।'

लेबनान को लेकर क्या बोले ट्रंप?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लेबनान को तेहरान के साथ किसी अल्पकालिक समझौते में शामिल करने पर जोर नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वे ऐसा देखना चाहेंगे, लेकिन मैं इसकी मांग नहीं कर रहा हूं।' पश्चिम एशिया में कई महीनों से जारी संघर्ष और बढ़े तनाव के बाद स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। ट्रंप प्रशासन भी संभावित शांति समझौते के लिए कोशिश में जुटा हुआ है।

फिर दी ईरान पर हमले की धमकी

ट्रंप ने मांग की कि भविष्य में होने वाले किसी भी समझौते में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के अलावा और भी बहुत कुछ शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ताकार परमाणु हथियार विकास से संबंधित प्रतिबंधों पर काफी हद तक सहमत हो गए थे, लेकिन उन्होंने खास शब्दों के लिए जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई समझौता हो जाता है तो वॉशिंगटन ईरान के साथ मिलकर संवर्धित यूरेनियम को हटाने और नष्ट करने का काम करेगा।

ट्रंप ने कहा कि वह चाहते हैं कि समझौते में यह सुनिश्चित किया जाए कि ईरान परमाणु हथियार या संबंधित क्षमताएं विकसित या खरीद न सके। ट्रंप ने कहा कि ईरानी वार्ताकारों ने शुरू में प्रस्ताव का विरोध किया, लेकिन बाद में अपना रुख नरम कर लिया। ट्रंप ने संकेत दिया कि कूटनीति विफल होने की स्थिति में अमेरिकी सेना बल प्रयोग के लिए तैयार है। ट्रंप ने एनबीसी न्यूज से कहा, 'हम किसी समझौते के बहुत करीब हैं, अगर नहीं तो मैं उन पर जबरदस्त कार्रवाई करूंगा।'

क्या अमेरिका को पता चल गया मोजतबा खामेनेई का ठिकाना?

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से बात करने के लिए तैयार हैं। मोजतबा खामेनेई पश्चिम एशिया संघर्ष की शुरुआत में अमेरिकी हमलों में घायल होने के बाद से वह सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि मुझे पता है कि वह कहां हैं या नहीं, लेकिन इसकी अच्छी संभावना है कि मुझे पता हो कि वे कहां हैं। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि हालिया अमेरिकी हमलों के बावजूद अस्थायी युद्धविराम समझौता कायम है। रूबियो ने पिछले सप्ताह सांसदों से कहा था कि हाल के अमेरिकी हमले रक्षात्मक कार्रवाई के तहत किए गए थे।

इंडिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन आज

23 दल साथ, केजरीवाल-स्टालिन ने बढ़ाई टेंशन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर बताया कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आज दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है, जिसमें शामिल होने के लिए 23 राजनीतिक दलों ने अपनी मंजूरी दे दी है।

जयराम रमेश ने कहा कि हालांकि कुछ पार्टियां अपनी निजी वजहों से इस बैठक में नहीं आ पा रही हैं, लेकिन वे केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों और कामों का कड़ा विरोध करती हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां लगातार संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और निवेश के कमजोर माहौल को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा, 'खुद भारत की तरह, इंडिया गठबंधन भी अपनी विविधता में एकजुट है।

स्टालिन और केजरीवाल ने बनाई दूरी

इस बार की बैठक में शामिल न होने वाले प्रमुख चेहरों में तमिलनाडु की डीएमके के नेता एम के स्टालिन और दिल्ली की आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल शामिल हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बाद डीएमके और कांग्रेस के रिश्ते काफी खराब हो चुके हैं। दरअसल, तमिलनाडु में कांग्रेस ने अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन कर लिया है, जिससे नाराज होकर डीएमके ने कांग्रेस से अपने सारे रिश्ते तोड़ लिए हैं। हालात यहाँ तक पहुंच गए हैं कि डीएमके ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कांग्रेस से अलग बैठने की जगह मांगी थी, जिसे मंजूर कर लिया गया है।

खड़गे-राहुल के घर नहीं, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब पर होगी बैठक

इस बार 'इंडिया' गठबंधन की बैठक किसी नेता के घर के बजाय एक न्यूट्रल जगह कॉन्स्टिट्यूशन क्लब पर हो रही है, जबकि पिछली दो बैठकें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के घर पर हुई थीं।

कल की यह बैठक पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के कहने पर बुलाई गई है। इस बैठक में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी दोनों शामिल होंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बंगाल में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए ममता बनर्जी को इस समय 'इंडिया' गठबंधन और खासकर कांग्रेस के मजबूत साथ की जरूरत है।

विधानसभा नहीं, लोकसभा चुनाव की तैयारी में ममता!

सूत्रों के मुताबिक, ममता बनर्जी की फिलहाल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में कोई दिलचस्पी नहीं है, भले ही वहां नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर उपचुनाव होने हैं। चर्चा है कि वह लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती हैं। बशीरहाट लोकसभा सीट पर उपचुनाव होना है, जो हाजी नूरुल इस्लाम के निधन के बाद खाली हुई थी।

टेस्ट मैच: भारतीय बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों का दबदबा

अफगानिस्तान ने गंवाए 5 विकेट

एजेंसी ■ न्यू चंडीगढ़

भारत ने मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी एकमात्र टेस्ट मैच में अफगानिस्तान के विरुद्ध मजबूत पकड़ बना रखी है। मुकाबले के दूसरे दिन भारत ने अपनी पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित की। दिन की समाप्ति तक मेहमान टीम ने 5 विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। यहां से अफगानिस्तान 459 रन पीछे है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की तरफ से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जुटाए। जायसवाल 32 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद केएल राहुल ने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 13 चौकों के साथ 81 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कप्तान गिल ने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर टीम को 247 के स्कोर तक पहुंचा दिया। केएल राहुल 11 चौकों के साथ 100 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद गिल ने ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 169 रन की साझेदारी करते हुए टीम इंडिया को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया ।गिल 177 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 126 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पंत ने 3 छक्कों और 6 चौकों के साथ 81 रन की पारी खेली। इनके अलावा, वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से मोहम्मद सलीम सैफी ने 27 ओवरों में 140 रन देकर 6 विकेट हासिल किए, जबकि जियाउर रहमान और हशमतुल्लाह शाहिदी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने दूसरे दिन की समाप्ति तक 39.5 ओवरों में 5 विकेट खोकर 113 रन बना लिए हैं। इस टीम को महज 28 के स्कोर पर अब्दुल मलिक के रूप में पहला झटका लगा।

डीबीटी और डिजिटल व्यवस्था से पारदर्शिता की नई पहचान बनी कन्या सुमंगला योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेटियों के उत्थान और सशक्तीकरण की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आज प्रदेश की लाखों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बनकर उभरी है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित यह योजना जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक बालिकाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाने का कार्य कर रही है।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब तक 27,37,703 बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है, वहीं, 674.15 करोड़ रुपए की धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। यह उपलब्धि न केवल योजना की व्यापक पहुंच को दर्शाती है, बल्कि बेटी के कल्याण के प्रति योगी सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है।

सरकार ने इस योजना के क्रियान्वयन में तकनीक का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया है। योजना का संचालन पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे आवेदन प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनी है। वहीं पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इस व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर दी है और अनियमितताओं की संभावनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया है। समयबद्ध भुगतान और पारदर्शिता ने योजना के प्रति लोगों का भरोसा और मजबूत किया है। साल 2019 में शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना बालिकाओं को जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों पर आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

योजना के अंतर्गत छह चरणों में कुल 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है, जिसमें बच्ची के जन्म पर 5,000 रुपये, एक वर्ष तक पूर्ण टीकाकरण पर 2,000 रुपये, कक्षा-1 में प्रवेश पर 3,000 रुपये, कक्षा-6 में प्रवेश पर 3,000 रुपये और कक्षा-9 में प्रवेश पर 5,000 रुपये मिलते हैं, साथ ही इंटरमीडिएट/हाईस्कूल उत्तीर्ण कर डिग्री/डिप्लोमा में एडमिशन लेने पर 7,000 रुपए मिलते हैं। इस तरह यह सहायता न केवल बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करती है बल्कि परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को भी कम करती है।

उत्तर प्रदेश में कन्या सुमंगला योजना का बढ़ता दायरा इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार की नीतियों के केंद्र में महिलाओं और बालिकाओं का सर्वांगीण विकास है।

एकेटीयू के दो वैज्ञानिकों का वैश्विक परचम, ग्लोबल साइंटिस्ट इंडेक्स की टॉप-5 फीसदी सूची में बनाई जगह

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के दो शिक्षकों ने शोध और नवाचार के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व की प्रतिष्ठित 'ग्लोबल साइंटिस्ट इंडेक्स 2025' की टॉप-5 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान बनाया है।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के प्रोफेसर अरुण तिवारी और सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार शर्मा की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का गौरव राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है।

विश्वविद्यालय के घटक संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईइटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अरुण तिवारी और सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के मेकाट्रॉनिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार शर्मा को यह प्रतिष्ठित स्थान मिला है। दोनों शिक्षकों की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है, क्योंकि इससे पहले वे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा जारी विश्व के शीर्ष शोधकर्ताओं की सूची में भी अपना स्थान बना चुके हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए इसे आकृतियों के शोध एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की बड़ी सफलता बताया। ग्लोबल साइंटिस्ट इंडेक्स 2025, एस सीआई रैंक ग्लोबल द्वारा प्रकाशित एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक रैंकिंग प्लेटफॉर्म है, जो ओपन एलेक्स डेटाबेस के आधार पर विश्वभर के सक्रिय शोधकर्ताओं के प्रकाशनों और उनके प्रभाव का मूल्यांकन करता है। इस सूची में शामिल होने के लिए शोधकर्ता के पास कम से कम 10 सत्यापित शोध प्रकाशन होना आवश्यक है। रैंकिंग में प्रकाशनों की संख्या और शोध पत्रों को प्राप्त उद्धरण (साइटेशन) के आधार पर 'नॉर्मलाइज्ड कंपोजिट स्कोर' तैयार किया जाता है।

अखिलेश यादव ने राम मंदिर में 'चढ़ावे की रकम गायब' होने पर उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे की कथित करोड़ों रुपये गायब होने के आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए सरकार और मंदिर ट्रस्ट पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि यह मामला करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़ा है और इसकी पारदर्शी जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि चढ़ावे की रकम में अनियमितता के आरोप सामने आए हैं तो संबंधित पक्षों को जनता के सामने जवाब देना चाहिए। उन्होंने न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने की मांग करते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफ़ाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है।सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की वृद्धि कर इस सरकार ने लोगों पर महंगाई का एक और बोझ डाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर 89 रुपये महंगा हो चुका है, जबकि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में एक हजार रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

अखिलेश यादव ने कहा कि डीजल और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों का असर हर क्षेत्र पर पड़ रहा है। परिवहन से लेकर खाद्य वस्तुओं तक सब कुछ महंगा हो गया है, जिससे आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को गरीबों, किसानों, व्यापारियों और मध्यम वर्ग की कोई चिंता नहीं है तथा वह केवल अपने पूंजीपति मित्रों के हितों की रक्षा में लगी हुई है।

सपा प्रमुख ने कहा कि महंगाई कम करने के इसके बड़े-बड़े दावों की वास्तविकता अब जनता के सामने आ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार जनता को दोनों हाथों से लूट रही है। एक ओर प्रदेश सरकार बिजली दरों में वृद्धि और स्मार्ट मीटर के जरिए उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है, वहीं केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस समेत आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ाकर लोगों की जेब पर डाका डाल रही है।

गुजरातः आठ आईपीएस अधिकारी 16 सीमावर्ती गांवों में ठहरेंगे, सुरक्षा इंतजामों का लेंगे जायजा

गांधीनगर। गुजरात सरकार सुरक्षा तैयारियों का आकलन करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों से सीधे बातचीत करने के उद्देश्य से एक अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ वरिष्ठ अधिकारी अगले सप्ताह राज्य की पाकिस्तान सीमा से लगे 16 गांवों का दौरा करेंगे और वहां रात को भी ठहरेंगे।

11 और 12 जून को निर्धारित ये दौरे वाव-थराद सीमा क्षेत्र के गांवों के साथ-साथ पाटन और कच्छ जिलों के कुछ हिस्सों को कवर करेंगे। यह कार्यक्रम गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। इस दौरान अधिकारी स्थानीय घरों में ठहरेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य गुजरात की अंतरराष्ट्रीय और अंतर-राज्यीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करना और साथ ही दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण और चिंताओं की समीक्षा करना है।

अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था का जमीनी आकलन करेंगे, दुर्गम और एकांत स्थानों पर तैनात पुलिस कर्मियों से बातचीत करेंगे और स्थानीय निवासियों से बैठकें करेंगे। कार्यक्रम में सीमा गश्ती अभियानों का निरीक्षण, रात्रिकालीन समीक्षा बैठकें और क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा भी शामिल होगी।

एडीजीपी वाबंग जमीर वाव-थराद जिले के असरागम और रचेना गांवों का दौरा करेंगे, जबकि एडीजीपी अजय कुमार चौधरी कच्छ पूर्वी जिले के शिरानी वंध और जटावाड़ा गांवों का दौरा करेंगे।

आईजीपी बिपिन शंकरराव अहिरे पाटन जिले के धोकावाड़ा और चारंका गांवों का दौरा करेंगे, और डीआईजीपी एएम मुनिया वाव-थराद क्षेत्र के रादोसन और गोलाप गांवों का दौरा करेंगे। कच्छ पश्चिमी जिले में डीआईजीपी केएन दामोर जूना और देढिया गांवों का दौरा करेंगे, जबकि डीआईजीपी डॉ. लीना पाटिल उधमों और पाटागर गांवों का दौरा करेंगी।

एसीपी आरटी सुसारा पुनराजपार और गुनाऊ गांवों का दौरा करेंगे, जबकि डीआईजीपी सुधा एस. पांडे दिनारा और भीतारा मोटा गांवों का दौरा करेंगी।

नीट यूजी 2026 पुनर्परीक्षा, एनटीए ने एग्जाम सिटी की अग्रिम सूचना जारी की

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए एग्जाम सिटी की अग्रिम सूचना स्लिप जारी कर दी है। अब उम्मीदवार अपने आवेदन संख्या और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर यह देख सकते हैं कि उनका परीक्षा केंद्र देश के किस शहर में निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह परीक्षा का एडमिट कार्ड नहीं है।

एजेंसी के मुताबिक, यह केवल उस शहर की जानकारी देने वाला दस्तावेज है, जहां उम्मीदवार का परीक्षा केंद्र तय किया गया होगा। बता दें कि नीट यूजी 2026 री-एग्जाम का आयोजन रविवार 21 जून की दोपहर को किया जाएगा। यह परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजकर 15 मिनट तक पेन-एंड-पेपर मोड में की जाएगी। परीक्षा देश के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में आयोजित होगी। नीट-यूजी देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा है। हर वर्ष लाखों छात्र इस परीक्षा में हिस्सा लेते हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का कहना है कि अभ्यर्थी 7 जून से अपनी लॉगिन जानकारी का उपयोग कर आधिकारिक पोर्टल पर परीक्षा शहर की अग्रिम सूचना स्लिप देख और डाउनलोड कर सकते हैं। एनटीए का कहना है कि सभी विद्यार्थियों को उनकी पहली वरीयता वाले परीक्षा शहर आवंटित करने का हर संभव प्रयास किया गया है, ताकि उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कम से कम असुविधा हो।

परीक्षा शहर की अग्रिम सूचना स्लिप का उद्देश्य अभ्यर्थियों को पहले से यात्रा और अन्य व्यवस्थाओं की योजना बनाने में मदद करना है। इसमें केवल परीक्षा शहर का नाम दिया गया है। परीक्षा केंद्र का पूरा पता और अन्य महत्वपूर्ण विवरण एडमिट कार्ड में उपलब्ध होंगे। एडमिट कार्ड को बाद में अलग से जारी किया जाएगा।

सीबीआई ने रिश्वत के मामले में चंडीगढ़ पुलिस के एएसआई को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने चंडीगढ़ पुलिस के एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) को सेक्टर-39 पुलिस स्टेशन, चंडीगढ़ से रिश्वत के एक मामले में गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान हितेश कुमार के तौर पर हुई है। आरोपी चंडीगढ़ के सेक्टर-39 में सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) पर तैनात था। सीबीआई ने 6 जून को इस आरोपी के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर यह केस दर्ज किया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी एएसआई ने शिकायतकर्ता से उसकी गाड़ी छोड़ने और जांच के तहत एक सड़क दुर्घटना के मामले में उसके खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज न करने के लिए 50,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद, आरोपी शिकायतकर्ता से 40,000 रुपए की रिश्वत लेने के लिए तैयार हो गया।

सीबीआई ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया और आरोपी एएसआई को शिकायतकर्ता से 40,000 रुपए की गैर-कानूनी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

असमः अग्निपथ स्कीम के तहत सेना में 50 बोडो युवाओं का चयन

गुवाहाटी। असम के बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) में भारतीय सेना की लगातार कोशिशों और भर्ती-पूर्व ट्रेनिंग पहल के अच्छे नतीजे सामने आए हैं। अग्निपथ भर्ती स्कीम के तहत 50 बोडो युवाओं को जॉइनिंग लेटर मिले हैं। इस संबंध में अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी।

सफल उम्मीदवारों को सम्मानित करने और सेना की ट्रेनिंग टीमों की कोशिशों को सराहने के लिए उदलगुरी जिले के उदलगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सिविल सोसाइटी संगठनों और सरकार ने मिलकर आयोजित किया था।

इस कार्यक्रम में बीटीआर के डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव मेंबर रिहोन दैमारी शामिल हुए। उन्होंने स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें देश की सेवा करने के अवसर देने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की सराहना की।

अधिकारियों ने बताया कि सेना ने अग्निपथ स्कीम में भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इलाके के स्कूलों और कॉलेजों में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया था। जागरूकता अभियानों और बातचीत के कार्यक्रमों के जरिए 30 शिक्षण संस्थानों के 2,000 से ज्यादा छात्रों तक पहुंच बनाई गई। भर्ती की कोशिश 23 नवंबर, 2024 को आयोजित एक भर्ती-पूर्व रैली के साथ शुरू हुई। स्क्रीनिंग और मॉक टेस्ट के बाद, 343 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया और तय केंद्रों पर 'रेड हॉर्न्स गनर्स' द्वारा आयोजित व्यवस्थित ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल किया गया।

ट्रेनिंग पाने वाले 343 उम्मीदवारों में से 234 ने कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सामान्य प्रवेश परीक्षा) सफलतापूर्वक पास किया।

इसके बाद सफल उम्मीदवारों ने अंतिम भर्ती रैली की तैयारी के लिए सेना की समर्पित टीमों की देखरेख में कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग (शारीरिक प्रशिक्षण) पूरी की।

पुरुषोत्तम मास विशेष : विराजमान हैं वासुदेव के पांच स्वरूप, यहां 'अर्जुन के सारथी' के पास नहीं है अस्त्र-शस्त्र

चेन्नई। सनातन धर्म में पुरुषोत्तम मास को भगवान विष्णु का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पवित्र माह में श्रीहरि नारायण की पूजा, भक्ति और दर्शन करने से कई गुना अधिक पुण्य फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि देशभर के विष्णु मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। ऐसे ही प्राचीन और अत्यंत पूजनीय मंदिरों में से एक है चेन्नई का श्री पार्थसारथी मंदिर, जो भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण स्वरूप को समर्पित है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के त्रिपलीकेन क्षेत्र में स्थित यह मंदिर वैष्णव परंपरा के प्रमुख तीर्थस्थलों में गिना जाता है। इसकी गणना 108 दिव्य देशमों में की जाती है, जिनका उल्लेख तमिल संतों द्वारा रचित पवित्र ग्रंथों में मिलता है। माना जाता है कि यहां भगवान विष्णु स्वयं भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न स्वरूपों में विराजमान हैं।

'पार्थसारथी' नाम का अर्थ है अर्जुन के सारथी। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने युद्ध के दौरान अर्जुन के रथ का संचालन किया था, उसी स्वरूप को यहां विशेष रूप से पूजा जाता है। मंदिर की सबसे अनोखी विशेषता यह है कि यहां भगवान कृष्ण को मूंछों वाले स्वरूप में दर्शाया गया है। साथ ही उनके हाथों में कोई अस्त्र-शस्त्र नहीं दिखाई देता, जो इस मंदिर को अन्य विष्णु मंदिरों से अलग बनाता है।

इस प्राचीन मंदिर का निर्माण पल्लव शासकों के समय माना जाता है। बाद के वर्षों में चोल और विजयनगर राजाओं ने भी इसके विकास और विस्तार में योगदान दिया। मंदिर परिसर में भगवान विष्णु के पांच प्रमुख स्वरूपों की पूजा की जाती है। इनमें पार्थसारथी (श्रीकृष्ण), योग नरसिंह, श्रीराम, गजेंद्र वरदराज और रंगनाथ स्वरूप शामिल हैं। यही वजह है कि यह मंदिर वैष्णव श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथाएं भी इसकी महिमा को और बढ़ाती हैं। मान्यता है कि राजा सुमति ने भगवान विष्णु से उनके पार्थसारथी स्वरूप के दर्शन की इच्छा व्यक्त की थी।

प्रशासनिक अधिकारियों की संपत्ति विवरण पर पर्दा

जीएडी की वेबसाइट नहीं खुल रही, विभाग ने बताया गोपनीय

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) के अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी आम जनता के लिए उपलब्ध नहीं है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की वेबसाइट पर अधिकारियों के वार्षिक संपत्ति विवरण से जुड़ी लिंक खुल नहीं रही है, जबकि विभाग का कहना है कि यह जानकारी निजी और गोपनीय प्रकृति की है। इस स्थिति ने शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मोदी सरकार के उलट विष्णुदेव सरकार

केंद्र की मोदी सरकार हर वर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करती है। वहीं छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी को सार्वजनिक नहीं कर रही है। जबकि राज्य सरकार भी हर वर्ष अपने अधिकारियों से उनकी चल और अचल संपत्तियों का विवरण प्राप्त करती है।

सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट पर अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी देखने के लिए उपलब्ध कराई गई लिंक पर क्लिक करने पर एरर मैसेज दिखाई देता है। इसके कारण आम नागरिक, सामाजिक संगठन और पारदर्शिता की मांग करने वाले लोग अधिकारियों की संपत्ति का विवरण नहीं देख पा रहे हैं।

राष्ट्रीय दैनिक विश्व केसरी समाचार पत्र की पड़ताल में सामने आया कि सामान्य प्रशासन विभाग के पोर्टल पर अधिकारियों के वार्षिक संपत्ति विवरण से संबंधित लिंक काम नहीं कर रही है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि आखिर अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी जनता की पहुंच से बाहर क्यों है।

हर साल मांगा जाता है संपत्ति की जानकारी

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार सेवा नियमों के तहत हर वर्ष राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों से उनकी चल और अचल संपत्तियों का ब्यौरा प्राप्त करती है। यह प्रक्रिया अनिवार्य है ताकि अधिकारियों की संपत्ति में होने वाले बदलावों का रिकॉर्ड रखा जा सके। हालांकि यह जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि इसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है।

पारदर्शिता के पक्षधर लोगों का कहना है कि सार्वजनिक पदों पर कार्यरत अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी नागरिकों के लिए उपलब्ध होना जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ती है और जनता का विश्वास मजबूत होता है।

केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की वेबसाइट पर आईएएस अधिकारियों के संपत्ति विवरण सार्वजनिक रूप से देखे जा सकते हैं। इसी प्रकार आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी भी संबंधित केंद्रीय पोर्टलों पर उपलब्ध रहती है।

क्या कहती है सरकार

वहीं सामान्य प्रशासन विभाग का पक्ष है कि अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी निजी और गोपनीय प्रकृति की है। विभाग की उप सचिव प्लामेंटिना लकड़ा का कहना है कि यह बेहद निजी और कॉन्फिडेंशियल जानकारी है, इसलिए इसे सार्वजनिक नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि जीएडी की वेबसाइट पर यह जानकारी अपलोड नहीं की जाती।

हालांकि सवाल यह भी उठ रहा है कि जब पोर्टल पर संपत्ति विवरण के लिए अलग से लिंक बनाई गई है तो उसका उद्देश्य क्या था। यदि जानकारी सार्वजनिक नहीं की जानी थी तो उसे वेबसाइट पर प्रदर्शित क्यों किया गया?

जीरो टॉलरेंस की नीति पर सवाल

इस पूरे मामले ने शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है। जानकारों का मानना है कि यदि तकनीकी कारणों से लिंक काम नहीं कर रही है तो सरकार को तत्काल इसे दुरुस्त कर जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। वहीं यदि जानकारी को जानबूझकर सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है तो सरकार को इस संबंध में स्पष्ट नीति और कारण बताने चाहिए।

फिलहाल जीएडी पोर्टल पर संपत्ति विवरण की लिंक बंद होने से राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी आम जनता की पहुंच से बाहर है। इस मुद्दे पर सरकार की चुप्पी कई सवालों को जन्म दे रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करने का दावा करती है, तो फिर अधिकारियों की संपत्ति संबंधी जानकारी पर पर्दा क्यों डाला जा रहा है?

आवास योजना में फर्जी पट्टे का आरोप, तहसीलदार से जांच की मांग

धरसींवा (संवाददाता)। नगर पंचायत कूरा के वार्ड क्रमांक 12 में आवास योजना के तहत कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। वार्ड पार्षद संतोष कुमार साहू ने तहसीलदार धरसींवा को शिकायत पत्र सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शासन द्वारा आवास योजना के लिए जारी पट्टों में व्हाइटनर और फर्जी लिखावट का उपयोग कर जालसाजी की गई है। पत्र के अनुसार वार्ड 12 निवासी मुकेश सिन्हा के द्वारा तीन हितग्राहियों के नाम पर कथित रूप से फर्जी पट्टे तैयार कराए गए और आवास मित्र विकास साहू के पास फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आवेदन जमा किया गया।

शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि तीनों पट्टों पर एक ही सीरियल नंबर 019214 अंकित है, जिससे दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। जांच के दौरान पट्टों के फर्जी होने की जानकारी सामने आने का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है।

पार्षद संतोष कुमार साहू ने तहसील प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत कूंरा तथा थाना प्रभारी धरसींवा को भी भेजी गई है। आरोपों के संबंध में नगर पंचायत कूंरा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। प्रशासनिक पक्ष सामने आने के बाद मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

खालसा स्कूल में गूंजा सिक्खी का संदेश, 'सिक्खी

रायपुर। पंडरी स्थित खालसा स्कूल में 'सिक्खी स्वरूप प्रश्नोत्तरी मुकाबला 2026' का भव्य आयोजन किया गया। बच्चों और युवाओं को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों के लिए सिक्खी स्वरूप में उपस्थित होना अनिवार्य रखा गया था।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, पूर्व विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा, ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन सरदार गुरुचरण सिंह होरा, समाजसेवी जगजीत सिंह खनूजा,

बलविंदर सिंह अरोरा, जी.एस. बॉम्बरा सहित बड़ी संख्या में सिख समाज से जुड़े लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता को चार आयु वर्गों में विभाजित किया गया था। ग्रुप ए (0 से 5 वर्ष) में नन्हे बच्चों ने सिक्खी स्वरूप में आकर्षक रैंप वॉक प्रस्तुत की। ग्रुप बी (6 से 10 वर्ष) में सिक्खी धर्म के 35 अक्षरों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बच्चों की रचनात्मकता ने सभी का मन मोह लिया। ग्रुप सी (11 से 15 वर्ष) में क्विज प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रतिभागियों से निर्धारित पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे गए। वहीं ग्रुप डी (16 से 20 वर्ष) के प्रतिभागियों ने 'सिक्खी स्वरूप', 'पंजाबी मां बोली' एवं 'पंच ककार का महत्व' विषयों पर कविता, साखी और गुरमत विचार प्रस्तुत किए।

ग्रुप बी, सी और डी के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार हारमोनियम, द्वितीय पुरस्कार तबला तथा तृतीय पुरस्कार कैसियो रखा गया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप टैबलेट दिए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'सोहणा बीबा बच्चा' पुरस्कार रहा, जिसके विजेता को लैपटॉप भेंट किया

दूर-दराज से आने वाले प्रतिभागियों और उनके परिजनों के लिए बाबा बुड्ढा साहेब सराय में ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के दौरान गुरु का अटूट लंगर भी किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में छत्तीसगढ़ सिख संगठन लेडिस विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्वेता डी अरोड़ा, प्रदेश संयोजक गुरजीत कौर छाबड़ा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गुरदीप कौर, प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण कौर अरोड़ा, रश्मिंदर कौर चावला, इंद्रजीत कौर होरा, गुरनिश कौर हेरा, प्रदेश महासचिव रूपी सलूजा, प्रदेश कोषाध्यक्ष रूबी गांधी, जिला अध्यक्ष सतनाम कौर सलूजा, प्रदेश सचिव नवजोत कौर, सोनिया सलूजा, गुरशीत कौर, रश्मीत कौर एवं आकांक्षा अरोड़ा सहित अनेक पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सांसद संजय सिंह ने आप कार्यकर्ताओं में भरा जोश, 'कहा जनता के लिए जेल जाने से भी ना डरो'

हड़ताल पर बैठे डी.एड. अभ्यर्थियों के समर्थन में तुता पहुंचे

रायपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज 7 जून को राजधानी रायपुर स्थित शहीद स्मारक भवन में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में राज्यसभा सांसद संजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने उद्बोधन में संजय सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार नहीं गड़बड़ इंजन की सरकार है। यहां की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ की अकूत खनिज सम्पदा को लूट लिया है। नरेंद्र मोदी की नीतियों ने देश को बर्बाद कर दिया है।

महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। Neet जैसे पेपर लीक कर देश के युवाओं को बर्बाद किया जा रहा है। मोदी की गलत विदेश नीति के कारण पेट्रोल डीजल और गैस के दाम बढ़े। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने 10500 स्कूल बंद कर गरीब बच्चों को अशिक्षित बनाने की कोशिश की जा रही है। प्रदेश का किसान आत्महत्या करने मजबूर हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था ख़राब है। हरे भरे जंगल को अडाणी को सौंपा जा रहा है। भारत की सबसे अमीर धरती छत्तीसगढ़ में आयरन ओर, कोयला निकालकर खोखला कर दिया है। 10 साल की दिल्ली में केजरीवाल ने वर्ल्ड क्लास स्कूल बनाये, मोहल्ला क्लिनिक खोल गरीबों का इलाज करवाया। राजनीति में पढ़े लिखे और जनहित सोच वाले लोगों को चुनना चाहिए। अब छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस भाजपा से परेशान हो चुकी है और आम आदमी पार्टी की ओर आस लगाकर देख रही है। आने वाले नवम्बर के चुनावों में आम आदमी पार्टी संगठन मजबूत करेगी और प्रदेश में एक मजबूत ताकत बनकर उभरेगी।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति ने पिछड़ा वर्ग समाजों के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

रायपुर। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्य अतिथि गृह (पहुना) में विभिन्न पिछड़ा वर्ग समाजों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने समाजों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद, उपाध्यक्ष चंद्रकांती वर्मा, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा तथा लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न समाजों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संस्कार शिविर में बच्चे सीख रहे जीवन जीने की कला

रायपुर। मालवीय रोड स्थित ऐतिहासिक आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में 1 जून से 10 जून 2026 तक आयोजित 10 दिवसीय विशेष 'ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर' सफलता के नए सोपान तय कर रहा है। दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट (कार्यसमिति) एवं आदिनाथ विद्या धार्मिक पाठशाला के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे भाग ले रहे हैं और अपने जीवन को सुसंस्कारी बनाने का अटूट संकल्प ले रहे हैं। शिविर के शैक्षणिक सत्र में सांगानेर (जयपुर) से आए प्रतिष्ठित विद्वान द्वारा बच्चों को बहुत ही सरल, सुबोध और संक्षिप्त परिभाषाओं के माध्यम से 'बाल बोध भाग-1' और 'भाग-2' का गहन अध्ययन कराया जा रहा है। शास्त्री जी अपनी अनूठी शिक्षण शैली से कठिन और क्लिष्ट धार्मिक सिद्धांतों को भी खेल-खेल में और अत्यंत आसान शब्दों में बच्चों के मानस पटल पर उतार रहे हैं, जिससे बच्चों में धर्म के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक जीवन जीने की कला (आर्ट ऑफ लिविंग) सिखाई जा रही है। पंडित शरद जैन शास्त्री द्वारा बच्चों को रोज़मर्रा के जीवन में उपयोगी निम्नलिखित महत्वपूर्ण बातें सिखाई और संकल्पित कराई जा रही हैं।

मोर खारून मोर सम्मान अभियान : 600 सफाई कर्मियों ने खारून नदी से निकाली जलकुंभी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर नगर निगम द्वारा रविवार को मोर खारून मोर सम्मान सफाई महाअभियान के तहत महादेवघाट में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। महापौर मीनल चौबे के नेतृत्व में नगर निगम के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, लगभग 600 सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों, सामाजिक संगठनों के स्वयंसेवकों और आम नागरिकों ने श्रमदान कर खारून नदी से बड़ी मात्रा में जलकुंभी हटाई।

अभियान के दौरान नदी से निकाली गई जलकुंभी को दर्जनों टाटा एस वाहनों में भरकर तत्काल परिवहन किया गया। नगर निगम का दावा है कि इस अभियान के माध्यम से जीवनदायिनी खारून नदी को जलकुंभी से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया।

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि खारून नदी की स्वच्छता बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से नदी में कचरा, पॉलीथिन और पूजन सामग्री नहीं डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि निगम अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, अब नागरिकों को भी नदी को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। सफाई कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा ने कहा कि खारून नदी की सफाई के लिए इस प्रकार का व्यापक अभियान पहली बार चलाया जा रहा है। उन्होंने नगरवासियों से अभियान में जुड़कर नदी संरक्षण में सहयोग करने की अपील की।

अभियान में स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, एमआईसी सदस्य, जोन अध्यक्ष, पार्षद, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता, स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। निगम ने शहर को स्वच्छ, सुंदर, विकसित, स्वस्थ और हरित बनाने के लिए जनसहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया।

नाबालिग से दुष्कर्म, सिलयारी प्रभारी निलंबित

राजनीतिक दबाव के बीच पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। नाबालिग से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बढ़ते राजनीतिक दबाव और विवाद के बीच पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिलयारी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक जितेंद्र दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा द्वारा की गई।

जारी आदेश के अनुसार, चौकी सिलयारी थाना धरसीवां में दर्ज अपराध की जांच में घोर लापरवाही बरतने के आरोप में चौकी प्रभारी जितेंद्र दुबे को निलंबित कर पुलिस अधीक्षक कार्यालय रायपुर (ग्रामीण) में संबद्ध किया गया है।

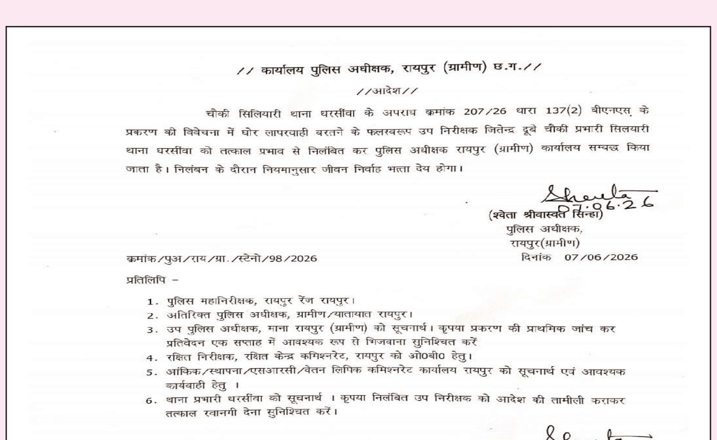

// कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रायपुर (ग्रामीण) छ.ग.//

//आदेश//

चौकी सिलियारी थाना धरसींवा के अपराध क्रमांक 207/26 धारा 137(2) बीएनएस के प्रकरण की विवेचना में घोर लापरवाही बरतने के फलस्वरूप उप निरीक्षक जितेन्द्र दूबे चौकी प्रभारी सिलयारी थाना धरसींवा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर पुलिस अधीक्षक रायपुर (ग्रामीण) कार्यालय सम्बद्ध किया जाता है। निलंबन के दौरान नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

07.06.26
(श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा)
पुलिस अधीक्षक,
रायपुर(ग्रामीण)

क्रमांक/पुअ/राय/ग्रा./स्टेनो/98/2026 दिनांक 07/06/2026

प्रतिलिपि –

1. पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर रेंज रायपुर।
2. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण/यातायात रायपुर।
3. उप पुलिस अधीक्षक, माना रायपुर (ग्रामीण) को सूचनार्थ। कृपया प्रकरण की प्राथमिक जांच कर प्रतिवेदन एक सप्ताह में आवश्यक रूप से भिजवाना सुनिश्चित करें
4. रक्षित निरीक्षक, रक्षित केन्द्र कमिश्नरेट, रायपुर को ओ0बी0 हेतु।
5. आंकिक/स्थापना/एसआरसी/वेतन लिपिक कमिश्नरेट कार्यालय रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
6. थाना प्रभारी धरसींवा को सूचनार्थ। कृपया निलंबित उप निरीक्षक को आदेश की तामीली कराकर तत्काल रवानगी देना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
रायपुर(ग्रामीण)

निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। साथ ही मामले की प्रारंभिक जांच कर एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि नाबालिग से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर पिछले कई दिनों से राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ था। पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, जिला पंचायत सभापति सरोज चंद्रवंशी तथा भाजपा नेता दिनेश अग्रवाल ने मामले को प्रमुखता से उठाते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की थी। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की थी।

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी धरसीवां और आसपास के क्षेत्रों में प्रदर्शन कर मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू राजेंद्र बंजारे, पीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष भावेश बघेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष वर्मा सहित कई नेताओं ने माना सीएसपी को ज्ञापन सौंपा था।

कांग्रेस नेताओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी, पॉक्सो एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई तथा सिलयारी चौकी प्रभारी के निलंबन की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन को 12 घंटे का अल्टीमेटम दिया था।

मांगें पूरी नहीं होने पर 9 जून को चक्काजाम और उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी।

चौकी प्रभारी के निलंबन के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। हालांकि पीड़िता को न्याय दिलाने और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर राजनीतिक दलों का दबाव अभी भी बरकरार है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है।

प्रदेश कांग्रेस का महामंथन! 10 दिवसीय विशेष शिविर से जुड़ेगें जिला अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संगठन को नए उद्यमों से मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पोर्टफोलियो में नई जान डालने के लिए प्रदेश कांग्रेस समिति (सीजी पीसीसी) ने एक बड़ा मास्टरप्लान तैयार किया है। पार्टी आगामी 21 जून से 30 जून तक राजधानी रायपुर के करीब अभनपुर स्थित एक निजी रिसॉर्ट में 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने जा रही है। इस शिविर में हाल ही में नियुक्त किए गए सभी नए जिला कांग्रेस अध्यक्षों का शामिल होना अनिवार्य है।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी आएंगे छत्तीसगढ़!

मिली जानकारी के इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे खास और बड़ी बात यह है कि इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन के साथ खड़गे और लोकसभा में नेता राहुल गांधी विशेष रूप से शामिल होंगे। दोनों शीर्ष नेता छत्तीसगढ़ सीधे जिला अध्यक्षों से संवाद करेंगे। वे नए राष्ट्रपतियों को संगठन को मजबूत बनाने, गुटबाजी को दूर करने और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता को बढ़ाने के लिए अपना खास मार्गदर्शन देने की सलाह देते हैं

क्लास क्यों लग रही है?

असल में, कांग्रेस संगठन के सिद्धांत के अनुसार, इस 10 गहन प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य जिला अध्यक्षों को बढ़ावा देना है। शिविर के दौरान जिला अध्यक्षों द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर मास्टरक्लास दी जाएगी–

कांग्रेस पार्टी की मूल विचारधारा और विध्वंस के सिद्धांत पर स्पष्टता।

विचार

विश्व केसरी

संपादकीय

ऑल इंडिया रेडियो: नब्बे वर्षों से जन-जन का अपनापन

पार्थसारथि थपलियाल

'दिस इज ऑल इंडिया रेडियो...' यह वाक्य केवल एक एनाउंसमेंट नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की स्मृतियों, संवेदनाओं और राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न हिस्सा है। रेडियो ने भारत को केवल समाचार नहीं दिए, बल्कि उसे एक सूत्र में पिरोने, संस्कृति को संरक्षित करने, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और संकट के समय जनविश्वास कायम रखने का कार्य किया। 8 जून 1936 में Indian State Broadcasting Service का नाम बदलकर All India Radio (AIR) रखा गया था। 8 जून, 2026 को इस संस्था ने अपनी 90 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पूरी कर ली है। यह यात्रा केवल एक प्रसारण संस्था की नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण की यात्रा भी है।

तत्कालीन अंग्रेज सरकार के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, बंबई रेडियो क्लब ने 23 जुलाई 1927 को इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने बंबई और कलकत्ता से नियमित प्रसारण प्रारंभ किया। प्रसारण का शुभारंभ तत्कालीन वॉयस रॉय लॉर्ड इरविन ने बंबई में किया था। इसलिए भारत में आधिकारिक तौर पर इस दिन को रेडियो प्रसारण दिवस मनाते हैं। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह कंपनी अधिक समय तक नहीं चल सकी। 1930 से 1932 के मध्य दो बार ऐसी स्थिति बनी जब प्रसारण बंद करने की नौबत आयी।

1932 में अंग्रेज सरकार ने भारत में प्रसारण व्यवस्था अपने हाथ में ले ली और इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस की स्थापना की। प्रसारण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सितम्बर 1935 में लियोनेल फ़ील्डन को इंग्लैंड से भारत बुलाया गया। उन्होंने दिल्ली के 18, अलीपुर रोड स्थित एक पांच कमरों के मकान से 1 जनवरी 1936 को इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (ISBS) रेडियो का प्रसारण शुरू करवाया। लियोनेल फ़ील्डन को इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस नाम रुचिकर नहीं लगता था वे इस नाम को बदलना चाहते थे। एक दिन तत्कालीन वॉयस रॉय लिंलिथगो के यहां एक मिलन समारोह आयोजित था। उस दिन उचित मौका मिलते ही प्रसारण नियंत्रक, लियोनेल फ़ील्डन ने वाइस रॉय लिनलिथगो को अपनी उल्झन बतायी। लियोनेल फ़ील्डन का मानना था कि भारतीय लोग बहुत अटपटे ढंग से इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस का उच्चारण करते हैं। यह बड़ा रोचक प्रसंग है। खैर, लिनलिथगो ने भारतीय प्रसारण व्यवस्था का नाम सुझाया- ऑल इंडिया रेडियो। इस नाम की पहली रेडियो उदघोषणा 8 जून, 1936 को पहली बार की गयी थी। इस वर्ष ऑल इंडिया रेडियो नाम के नव्वे वर्ष पूरे हो चुके हैं। उस समय रेडियो का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि प्रशासन, शिक्षा और जनसंपर्क का माध्यम बनना भी था। एक जमाना वह भी था जब गाने बजाने का काम महफिलों तक सीमित था।

3 जून 1947 को भारत विभाजन की घोषणा प्रसारण भवन, आकाशवाणी दिल्ली से हुई थी। 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि संविधान सभा, सभागार (संसद का सेंट्रल हाल) में आयोजित स्वाधीनता समारोह में लॉर्ड माउंट बेटन ने सत्ता हस्तांतरण करते हुए भारत को स्वाधीनता देते हुए भारत की बागडोर पंडित जवाहर लाल नेहरू को सौंपी। कृषि कार्यक्रमों ने किसानों को नई तकनीकों से परिचित कराया। प्रयोगशाला में जो अनुसंधान हो रहे थे, उनकी जानकारी को किसानों तक पहुंचाने का काम ऑल इंडिया रेडियो ने किया। भारत खाद्यान्न में आत्मनिर्भर हुआ। पिछले दौर के रेडियो श्रोता जानते हैं कि चेचक मुक्त भारत, बालमृत्यु में कमी, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य, टीकाकरण जैसे विषयों का व्यापक प्रचार प्रसार रेडियो के माध्यम से किया गया। राजस्थान में नारू रोग उन्मूलन और पोलियो मुक्त भारत जैसी उपलब्धियां बिना आकाशवाणी के संभव नहीं था।

बी. वी. केसकर जब सूचना और प्रसारण मंत्री थे (1952-62), वे भारतीयता के पक्षधर थे। शास्त्रीय संगीत, भजन, लोकगीत उन्हें प्रिय थे फिल्मसंगीत को उन्होंने ज्यादा महत्व नहीं दिया। इसका असर यह हुआ कि श्रोता रेडियो सीलोन की ओर मुड़े। फलस्वरूप भारतीय प्रसारण व्यवस्था ने मनोरंजन चैनल के रूप में 1957 में विविधभारती प्रसारण सेवा शुरू की इसकी नींव डालने में पंडित नरेंद्र शर्मा की महती भूमिका रही। अनेक महान कलाकारों को राष्ट्रीय मंच मिला। पंडित नरेंद्र शर्मा ने इस प्रसारण व्यवस्था का गहन चिंतन किया था। आज भी सर्वाधिक सुनाई देनेवाली प्रसारण सेवा विविध भारती है। फिल्मी गीतों और हल्के-फुल्के मनोरंजन की बढ़ती मांग के बीच विविध भारती ने श्रोताओं के दिलों में विशेष स्थान बनाया। 'हवा महल', 'जयमाला', 'छायागीत', 'भूले-बिसरे गीत' जैसे कार्यक्रम पीढ़ियों की स्मृतियों का हिस्सा बन गए। सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए प्रसारित 'जयमाला' ने सेना और नागरिक समाज के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित किया।

3 अक्टूबर 1957 को ही ऑल इंडिया रेडियो का हिंदी नाम आकाशवाणी रखा गया। रेडियो ने भारतीय संगीत की परंपरा को घर-घर तक पहुँचाया। आज भी देश के अनेक दिग्गज कलाकारों की पहचान आकाशवाणी से जुड़ी हुई है। आकाशवाणी समाचार सेवा देश में सबसे विश्वसनीय समाचार स्रोत मानी जाती है। 1962 के चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, करगिल संघर्ष, प्राकृतिक आपदाओं और राष्ट्रीय संकटों के दौरान लोगों की पहली पसंद रेडियो ही था। जब संचार के अन्य साधन सीमित थे।

संपत्ति की जांच कब होगी? आलीशान कोठियों, बढ़ती संपत्तियों और जवाबदेही के सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में जब भी भ्रष्टाचार, काले धन और आय से अधिक संपत्ति की चर्चा होती है, तब आम नागरिक के मन में एक सवाल बार-बार उठता है—आखिर संपत्ति की व्यापक और निष्पक्ष जांच कब होगी? शहरों के सेक्टरों, पॉश कॉलोनियों और विकसित क्षेत्रों में खड़ी होती आलीशान कोठियां, महंगे फार्म हाउस, बहुमंजिला इमारतें और करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियां अक्सर लोगों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि इन संपत्तियों का निर्माण किन आय स्रोतों से हुआ है और क्या इनकी कीमत संबंधित व्यक्तियों की घोषित आय के अनुरूप है। यह प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है।

लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास तभी मजबूत रहता है जब उन्हें यह भरोसा हो कि कानून सबके लिए समान है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मेहनत, प्रतिभा, व्यवसाय, नौकरी या निवेश के माध्यम से संपन्न बनता है तो यह उसकी सफलता का प्रमाण है और उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन जब किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति के बीच असामान्य अंतर दिखाई देता है, तब जांच की मांग भी स्वाभाविक हो जाती है। संपत्ति अर्जित करना अपराध नहीं है, लेकिन उसकी वैधता और स्रोत का स्पष्ट होना आवश्यक है। यही सुशासन और जवाबदेही का मूल आधार है।

आज भारत के अधिकांश शहरों में ऐसे क्षेत्र विकसित हो चुके हैं जहां करोड़ों रुपये की कोठियां और भवन खड़े हैं। इनमें से अधिकांश संपत्तियां निश्चित रूप से वैध साधनों से अर्जित की गई होंगी। देश में लाखों ऐसे व्यवसायी, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक और उद्यमी हैं जिन्होंने वर्षों की मेहनत और संघर्ष से आर्थिक सफलता प्राप्त की है। उनके परिश्रम और उपलब्धियों पर संदेह करना न केवल अनुचित होगा बल्कि समाज में नकारात्मक संदेश भी देगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कुछ मामलों में संपत्ति का आकार और घोषित आय के बीच ऐसा अंतर दिखाई देता है जो सवाल पैदा करता है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच लोकतांत्रिक व्यवस्था की आवश्यकता है।

आम नागरिक की चिंता केवल संपत्ति को लेकर नहीं होती, बल्कि उस असमानता को लेकर भी होती है जो समाज में दिखाई देती है। एक ओर मध्यमवर्गीय परिवार जीवन भर की कमाई लगाकर एक घर बनाने के लिए संघर्ष करता है, बैंक ऋण लेता है और वर्षों तक उसकी किस्तें चुकाता है। दूसरी ओर कुछ लोग बहुत कम समय में अपार संपत्ति के मालिक बन जाते हैं। जब यह अंतर बहुत अधिक दिखाई देता है तो लोगों के मन में प्रश्न उठते हैं। यदि इन प्रश्नों का उत्तर पारदर्शी जांच और जवाबदेही के माध्यम से नहीं दिया जाता, तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ने लगता है।

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अधिक पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। सरकारी अधिकारी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक संसाधनों के प्रबंधन से जुड़े लोग जनता के विश्वास के

संरक्षक होते हैं। इसलिए उनकी आय और संपत्ति का विवरण अधिक स्पष्ट और सार्वजनिक होना चाहिए। यदि कोई सार्वजनिक सेवक अपनी वैध आय के अनुरूप संपत्ति अर्जित करता है तो उसे किसी जांच से डरने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि ऐसी जांच उसकी ईमानदारी को प्रमाणित करने का माध्यम बन सकती है। लेकिन यदि कहीं अनियमितता है, तो उसे कानून के दायरे में लाना भी उतना ही आवश्यक है।

समस्या केवल घोषित संपत्तियों तक सीमित नहीं है। बेनामी संपत्ति भी देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। अनेक बार वास्तविक मालिक अपनी संपत्ति किसी रिश्तेदार, कर्मचारी या परिचित के नाम पर दर्ज करा देता है। इससे वास्तविक स्वामित्व और धन के स्रोत का पता लगाना कठिन हो जाता है। सरकार ने बेनामी लेन-देन रोकने के लिए कानून बनाए हैं, लेकिन इनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। जब तक संपत्ति के वास्तविक लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक वित्तीय पारदर्शिता का लक्ष्य अधूरा रहेगा।तकनीकी दृष्टि से देखें तो आज संपत्ति की जांच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो चुकी है। बैंकिंग व्यवस्था, आयकर रिटर्न, डिजिटल भुगतान, संपत्ति पंजीकरण, जीएसटी रिकॉर्ड और विभिन्न सरकारी डेटाबेस के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की वित्तीय गतिविधियों का व्यापक विश्लेषण किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी तकनीकें यह पहचानने में सक्षम हैं कि कहां घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर मौजूद है। यदि इन साधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए तो जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और निष्पक्ष बन सकती है।

यह भी आवश्यक है कि जांच का आधार केवल तथ्य और प्रमाण हों, न कि राजनीतिक या व्यक्तिगत हित। जनता का विश्वास तभी कायम रहेगा जब कानून का उपयोग चुनिंदा लोगों के खिलाफ नहीं बल्कि सभी के लिए समान रूप से किया जाएगा। यदि कोई सामान्य कर्मचारी अपनी आय का हिसाब देता है, तो प्रभावशाली व्यक्तियों, बड़े अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी वही मानक स्वीकार करने चाहिए। कानून की ताकत उसकी निष्पक्षता में होती है, न कि उसकी कठोरता में।

अवैध संपत्ति का प्रभाव केवल सरकारी खजाने तक सीमित नहीं रहता। यह सामाजिक असमानता को भी बढ़ाता है। जब कुछ लोग नियमों को दरकिनार करके अनुचित लाभ प्राप्त करते हैं, तो वे उन लोगों से आगे निकल जाते हैं जो नियमों का पालन करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि ईमानदार नागरिक स्वयं को हतोत्साहित महसूस करने लगते हैं। युवाओं में यह धारणा बनने लगती है कि सफलता का मार्ग मेहनत और प्रतिभा से अधिक प्रभाव और संपर्कों से होकर जाता है। यह स्थिति किसी भी समाज के लिए घातक है क्योंकि इससे नैतिक मूल्यों और सामाजिक विश्वास का क्षरण होता है।

ईमानदार करदाताओं के सम्मान के लिए भी संपत्ति की पारदर्शी जांच आवश्यक है। जो लोग नियमित रूप से कर चुकाते हैं, अपनी आय का सही विवरण देते हैं और कानून का पालन करते हैं, उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि व्यवस्था उनके साथ न्याय कर रही है। यदि भ्रष्टाचार और अवैध संपत्ति पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती, तो ईमानदार नागरिकों के मन में भी निराशा उत्पन्न होती है। इसके विपरीत, जब कानून निष्पक्ष रूप से लागू होता है तो उनका विश्वास मजबूत होता है और वे स्वयं को व्यवस्था का सम्मानित हिस्सा महसूस करते हैं।

मीडिया और नागरिक समाज भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। खोजी पत्रकारिता, सूचना के अधिकार का उपयोग और सार्वजनिक विमर्श के माध्यम से अनेक मामलों में पारदर्शिता बढ़ी है। हालांकि इस प्रक्रिया में जिम्मेदारी भी आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति पर आरोप लगाना या अफवाहों के आधार पर उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इसलिए पारदर्शिता की मांग तथ्यों और दस्तावेजों पर आधारित होनी चाहिए।जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि जांच संस्थाएं राजनीतिक या अन्य प्रकार के दबाव में कार्य करेंगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा। इसलिए उन्हें पर्याप्त संसाधन, आधुनिक तकनीक और स्वतंत्र कार्य वातावरण प्रदान किया जाना चाहिए।

नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज होने जा रहा एक नया रिकॉर्ड

महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। यहाँ जनता समय-समय पर अपने नेताओं का चयन करती है और सत्ता परिवर्तन के माध्यम से लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाती है। स्वतंत्रता के बाद से देश ने अनेक प्रधानमंत्रियों को देखा, लेकिन कुछ नेता ऐसे रहे जिन्होंने केवल शासन नहीं किया बल्कि भारतीय राजनीति की दिशा और स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के बाद यदि किसी प्रधानमंत्री ने सबसे अधिक प्रभाव छोड़ा है तो वह नरेंद्र मोदी हैं। 10 जून 2026 का दिन इसी कारण राजनीतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे रिकॉर्ड के साथ चर्चा के केंद्र में होंगे जो भारतीय राजनीति में उनके लंबे और प्रभावशाली सफर का प्रतीक माना जा रहा है।

नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उस समय भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था। यह जीत इसलिए ऐतिहासिक थी क्योंकि लगभग 30 वर्षों बाद किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला था। उस दौर में देश भ्रष्टाचार, आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक अस्थिरता जैसे मुद्दों से जूझ रहा था। जनता एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में थी जो निर्णायक दिखाई दे और देश को नई दिशा दे सके। नरेंद्र मोदी ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के नारों के साथ चुनाव अभियान चलाया और जनता ने उन्हें भारी समर्थन दिया।

2014 की जीत केवल एक चुनावी विजय नहीं थी बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत थी। लंबे समय तक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहने वाली कांग्रेस पार्टी पहली बार इतनी कमजोर स्थिति में पहुँच गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी। नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व इस परिवर्तन का मुख्य केंद्र बन गया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान पहले से ही एक विकासवादी नेता की बन चुकी थी और उसी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार मिला।

इसके बाद 2019 का लोकसभा चुनाव आया। सामान्यत: किसी सरकार के 5 वर्षों के बाद सत्ता विरोधी लहर देखी जाती है, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहले से भी अधिक सीटें जीत लीं। इस विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी केवल एक लोकप्रिय नेता नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व बन चुके हैं। 2019 की जीत के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी सरकार ने कई ऐसे फैसले लिए जिनका व्यापक राजनीतिक प्रभाव पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। लगातार तीन बार सत्ता में लौटना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आसान नहीं होता। इसके लिए केवल चुनावी रणनीति ही नहीं बल्कि व्यापक जनसमर्थन, मजबूत संगठन और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि मोदी की तीसरी पारी को भारतीय राजनीति के बड़े घटनाक्रमों में गिना जाता है।

10 जून 2026 को नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन को लेकर चर्चा इसलिए तेज है क्योंकि वे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री बने रहने वाले नेताओं की सूची में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करेंगे। भारतीय राजनीति में लंबे कार्यकाल का विशेष महत्व माना जाता है क्योंकि लोकतंत्र में जनता हर चुनाव में सरकार को बदलने का अधिकार रखती है।

बोध कथा

प्रकृति सब लौटा कर देती है

शिव आमंत्रण, आबू रोड। जो कुछ भी हमारे अंदर भरा होता है वो ही प्रकृति हमें लौटा देती है। एक व्यक्ति अपने परिवार, रिश्तेदार, मित्र, मोहल्ला के निवासी, अपनी फैक्ट्री के कार्यकर्ताओं से अति दु:खी होकर समाधान के लिए अपने गुरु के पास पहुंचा और अपनी पीड़ा गुरुदेव को बताते हुए बोला- 'मेरे कर्मचारी, पत्नी, बच्चे और आसपास के सभी लोग बेहद स्वार्थी हैं। कोई भी सही नहीं है, क्या करूं गुरुदेव?' गुरुजी ने कहा-' पुत्र, नि:संदेह तुम्हारी समस्या अति गंभीर है। तुम आज रात आश्रम में ही रहो। मैं रात्रि में मंथन करूंगा और सुबह समाधान बताऊंगा। वह रात्रि विश्राम के लिए रुक गया। भोर की पूजा-अर्चना के पश्चात अपने अन्य शिष्यों की समस्याओं को निबटा कर गुरुजी ने अंत में उस व्यक्ति को अपने पास बुलाया। एक रात आश्रम में बिताने के अनुभव को भी वह व्यक्ति अपने गुरु को बताने से स्वयं को रोक न सका और बोला-' गुरुदेव, आपके आश्रम में भी स्वार्थियों ने अपना डेरा जमा रखा है। हर कोई आपसे कुछ न कुछ चाहकर ही यहां रुका है। गुरुदेव ने उसकी बातों को सुनकर कहा- मैं एक कहानी सुना रहा हूं, उसे गंभीरता से सुनना। इसमें ही तुम्हारी समस्या का समाधान छिपा है। एक गाँव में एक विशेष कमरा था जिसमें एक हजार आईने लगे थे। एक लड़की उस कमरे में गई और खेलने लगी। उसने देखा एक हजार बच्चे उसके साथ खेल रहे हैं और वो उन बच्चों के प्रतिबिंब को देखकर खुश हो गयी। जैसे ही वो ताली बजाती सभी बच्चे उसके साथ ताली बजाते। उसने सोचा यह दुनिया की सबसे अच्छी जगह है। बच्ची के प्रस्थान के पश्चात थोड़ी देर बाद इसी जगह पर एक उदास आदमी कहीं से आया। उसने अपने चारों तरफ हजारों दु:ख से भरे चेहरे देखे। वह बहुत दु:खी हुआ। उसने हाथ उठा कर सभी को धक्का लगाकर हटाना चाहा तो उसने देखा हजारों हाथ उसे धक्का मार रहे हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

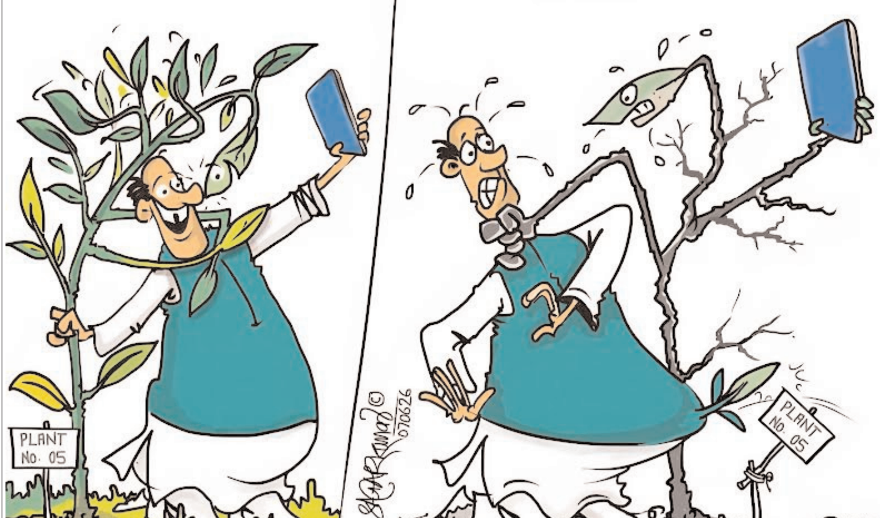

व्यंग्य केसरी

ओम् शाँति ओम!

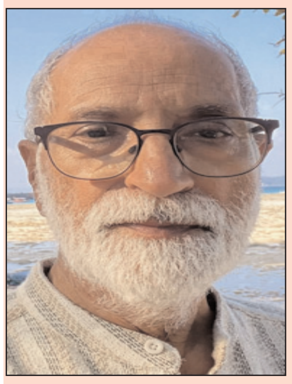

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

नारायण- 'नारद! मार्जारी राज्य में चुनाव हुए महीना भर से ऊपर हो गया है। अभी तक तुमने कोई सनसनीखेज़ समाचार नहीं सुनाया। किसकी जय हुई है। किसकी पराजय हुई है। मृत्युलोक के उस अराजक राज्य और मेरे 'राम' नाम से नफ़रत करने वालों के हालात कैसे हैं?'

नारद- 'नारायण...! नारायण...! प्रभु! आप तो अंतर्यामी हैं। फिर भी आपका यह बड़प्पन है कि मुझसे पूछ रहे हैं, तो बताए देता हूँ। इस बार के चुनाव में मार्जारी की एक भी चाल कामयाब नहीं हुई। वह कोई खेला नहीं कर पाई। श्वान दल के मुखिया और उसके चाणक्य ने मिलकर ऐसी चाल चली कि मार्जारी चारों खाने चित्त होकर खिसियाई खंभा नोच रही है।'

नारायण- 'नारद! अब और पहेलियाँ मत बुझाओ! मेरा धैर्य जवाब दे रहा है। मन में कौतुहल बढ़ता जा रहा है। जरा जल्दी से बताओ कि किसने किसको मात दी है और किसका दल कितनी सीटों से विजयी हुआ है।'

नारद- 'प्रभु! दरअसल हुआ यह कि मार्जारी को 'दिल्ली के आँदोलनजीवी' की तरह मुग़ालता हो गया था कि वह अपने राज्य की एकमात्र शेरनी है। उसे कोई माई का लाल पराजित नहीं कर सकता है, पर श्वान दल के मुखिया और उसके चेले-चपाटों ने मिलकर ऐसा जाल बुना कि जंगलराज के प्राणियों ने 'भय से मुक्ति' और 'भरोसे के वादे' पर विश्वास किया और उसका परिणाम यह हुआ कि मार्जारी के लूटपाट, रक्तपात और आतंक के साम्राज्य का अंत हो गया।'

नारायण- 'नारद! श्वान दल और मार्जारी की जय-पराजय के बारे में जरा विस्तारपूर्वक बताओ। विश्व के सबसे बड़े देश में प्रजातांत्रिक प्रणाली में जंगलराज के समाचार सुनकर मुझे बड़ा मज़ा आ रहा है।'

नारद- 'प्रभु! कबीर के शब्दों में कहें तो 'माया (सत्ता) महाठगिनी हम जानी।' इस बार मार्जारी और उसके चट्टों-बट्टों की धूर्तता धरी रह गई और चुनाव में श्वान दल बाज़ी मार ले गया। मार्जारी की मूषक सेना जो कभी मुक्त भाव से राज्य को खोखला करने और घुसपैठियों को मतदाता बनाने में लगी रही। उनमें से कुछ बिलों में छुप गए हैं और जो पड़ोसी देश से अवैध रूप से सीमा पार कर घुस आए थे उनमें सत्ता परिवर्तन होते ही ऐसी खलबली मची कि बेचारों की वाट लग गई।'

नारायण- 'नारद! ये प्रजातंत्र भी बड़ी कमाल की शासन प्रणाली है। मार्जारी को अच्छी तरह मालूम था कि सत्ता सदा किसी एक 'ख़ानदान' या 'दल' की नहीं रहती है, कल को कोई दूसरा दल सत्ता पर क़ाबिज़ हो सकता है, पर जैसे ही मार्जारी सिंहासनारूढ़ हुई सत्ता के मद में अपनी औक़ात को भूल गई और विरोधी विचारधारा के समर्थकों पर जुल्म-ज्यादती पर उतर आई, पर वक्त कभी किसी आततायी को माफ़ नहीं करता है।

आखिरकार तमाशे से अपनी सियासत की शुरूआत करने वाली खुद एक दिन तमाशा बन गई। सनातन के पुनर्जागरण के कारण आजकल मार्जारी, उसके समर्थकों और सहयोगियों के साथ यही हो रहा है, तो ज़ोर से बोलो- 'ओम् शाँति ओम'

इतिहास

7 जून को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान और स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 1893 में आज ही के दिन महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सविनय अवज्ञा आंदोलन का पहली बार इस्तेमाल किया था। इसके अलावा 1979 में आज ही के दिन भारत का दूसरा उपग्रह 'भास्कर-प्रथम' सोवियत रॉकेट से अंतरिक्ष में छोड़ा गया था।7 जून की मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं:1893: महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के पीटरमैरिट्सबर्ग में ट्रेन से बाहर फेंके जाने के बाद, रंगभेद के खिलाफ अपने पहले सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा की शुरुआत की।1979: भारत के दूसरे प्रायोगिक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 'भास्कर-प्रथम' का सोवियत संघ के कॉसमॉस-3 एम रॉकेट की मदद से सफल प्रक्षेपण किया गया।1955: अमेरिका के लॉस एंजिल्स में पहले 'ड्राइव-इन' मूवी थियेटर (गाड़ी में बैठकर फिल्म देखने की सुविधा) की शुरुआत हुई।

संक्षिप्त खबरें

सिलेंडर ब्लास्ट- डिप्टी मैनेजर की मौत

कोरिया । छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में स्थित एसईसीएल चरचा कोलियरी क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए भीषण गैस सिलेंडर विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। चरचा कॉलरी के चाइना ब्लॉक स्थित एक आवासीय क्वार्टर में हुए धमाके में एसईसीएल के डिप्टी मैनेजर के.वी. नंदन की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 11:30 बजे क्वार्टर में रखे गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि उसकी आवाज लगभग आधा किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के तुरंत बाद क्वार्टर में भीषण आग लग गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

धमाके की आवाज सुनकर कॉलोनी के निवासी घरों से बाहर निकल आए और स्थिति को देखते हुए तत्काल पुलिस, दमकल और बचाव दल को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

रेस्क्यू अभियान के दौरान क्वार्टर के भीतर मौजूद एसईसीएल के डिप्टी मैनेजर के.वी. नंदन गंभीर रूप से प्रभावित पाए गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह गैस सिलेंडर विस्फोट बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम विस्तृत जांच में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही विस्फोट की सटीक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

के.वी. नंदन एसईसीएल के अनुभवी अधिकारियों में गिने जाते थे। उनके निधन की खबर से एसईसीएल प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच शोक की लहर है। वहीं, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था और गैस उपयोग संबंधी मानकों को लेकर भी सवाल उठने लगे है।

कैट ने एफएसएसएआई नियमों में बड़े सुधार एवं लाइसेंस को आजीवन वैध बनाने की मांग

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि देश के करोड़ों छोटे एवं मध्यम व्यापारियों की प्रमुख राष्ट्रीय संस्था कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अंतर्गत लागू कुछ नियमों में व्यावहारिक सुधार एवं सरलीकरण की मांग करते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री चिराग पासवान को एक विस्तृत सुझाव पत्र प्रेषित किया है कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने अपने पत्र में कहा है कि खाद्य सुरक्षा के मानकों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, किन्तु वर्तमान में लागू कुछ प्रक्रियाओं के कारण विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम व्यापारियों को अनावश्यक प्रशासनिक, वित्तीय एवं समयगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सीजीएमएससी के गोदामों में 400 से अधिक दवाइयाँ उपलब्ध

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) द्वारा राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में सीजीएमएससी के विभिन्न गोदामों में 400 से अधिक प्रकार की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, जिनका स्वास्थ्य संस्थानों की मांग के अनुसार नियमित रूप से वितरण किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त लगभग 150 अन्य दवाओं के लिए क्रय आदेश जारी किए जा चुके हैं तथा उनकी आपूर्ति विभिन्न चरणों में प्रगति पर है। इन दवाओं की प्राप्ति के साथ राज्य में दवा उपलब्धता और अधिक सुदृढ़ होगी।

सीजीएमएससी से मिली जानकारी के अनुसार सामान्य रोगों एवं स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग होने वाली अनेक महत्वपूर्ण दवाएँ वर्तमान में गोदामों में उपलब्ध हैं।

B.Tech इंजीनियर निकला ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क का मास्टरमाइंड

रायगढ़। ऑपरेशन अंकुश: ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन अलगाव' के तहत रायगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर पुलिस ने एक ऐसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है, जो हाईटेक तरीकों से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा सिंडिकेट को तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रहा था। वर्चुअल स्पेशल वेबसाइट और सट्टा की तैयारी कर सटोरियों को लाइव मैच का अपडेट टीवी प्रसारण से करीब 5 सबसे पहले उपलब्ध कराया गया था, जिससे बॉल-टू-बॉल सट्टेबाजी में उन्हें बड़ा फायदा हुआ था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहन शशि सिंह के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी और सीएसपी मक्की मिश्रा के निर्देशन में साइबर टीम टीम लगातार ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पर कार्रवाई कर रही है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि न्यू शंकरनगर स्थित एक मकान से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के लिए प्रवेश की तैयारी की जा रही है।

सूचना पर साइबर टीम प्रभारी पर्यवेक्षक विजय चेलक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नियुक्त किया। पुलिस को एक युवक की डकैती की कोशिश करने का मौका मिला, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। वृद्धाश्रम की पहचान आदर्श कुमार केशरी (28 वर्ष) निवासी न्यू शंकरनगर रायगढ़ के रूप में हुई।

दिल्ली-नोएडा से था हाईटेक सट्टा सिंडिकेट

पूछताछ में सैमुअल ने बताया कि वह बीटेक इंजीनियर है और दिल्ली की एक आईटी कंपनी में काम करता है। अक्टूबर 2025 में उनकी मुलाकात रामपुर और बिहार के कुछ स्ट्रक्चर से हुई, जो कि आईटी कंपनी में थे। इसके बाद वह विनबिगप्रो नामक ऑफ़लाइन क्रिकेट सट्टा मंच के तकनीकी ऑपरेशन में शामिल हो गए।

सबसे पहले पता चला कि गैंग ने ऐसी वेबसाइट तैयार की थी, जिसमें क्रिकेट मैच की जानकारी, सामान्य टीवी प्रसारण से करीब 5 सबसे पहले दिखाई दी थी। इसी टेक्नॉलजी का इस्तेमाल कर सटोरिए करोड़ों का ऑनलाइन सट्टा खेल रहे थे।

सोशल मीडिया से लेकर वेबसाइट तक बनी थी अलग टीम

जांच में यह भी सामने आया कि गैंग में अलग-अलग टीमों के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं। कोई सोशल मीडिया पोस्ट समर्थित नहीं था, कोई बेचने वाला नहीं था और कोई वेबसाइट अपलोड नहीं की गई थी। पुलिस से बचने के लिए वेबसाइट, बिल्डर्स और पासवर्ड लगातार बदले जा रहे थे।

कटहल की आड़ में गांजा तस्करी, 62.85 लाख का गांजा बरामद

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में तस्करी का एक मामला सामने आया है, जहां गांजे की तस्करी हो रही थी। पुलिस ने 62 लाख रुपये से अधिक का गांजा बरामद कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सिंघोड़ा पुलिस रेहटीखोल जांच नाका के पास अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वाहनों की जांच में, जिनमें भारी मात्रा में कटहल लोड थे। पुलिस ने जब शक के आधार पर वाहनों की जांच की गई, तो काफी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है

खपाने की थाली तैयारी कहाँ थी ?

असलहा, कटहल के पीछे से पुलिस ने 125.700 गांजा बरामद किया गया है सामान बरामद किया, जिसकी कीमत 62,85,000 रुपये बताई गई है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के दो बदमाशों को भी पकड़ा है। बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि वो बलांगी से खरीदकर जिला नाला उत्तर प्रदेश जा रहे थे, जहां इसे खपाने की तैयारी थी। अवैध पुलिस ने गांजा के साथ गाड़ियों को जब्त कर लिया गया।

आजादी के 79 साल बाद भी अंधेरे में राजापड़ाव

गरियाबंद। आजादी के 79 वर्ष बाद भी गरियाबंद जिले के सुदूर वनांचल स्थित राजापड़ाव क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतें बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे क्षेत्रवासियों ने अब अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर क्षेत्र में बिजली उपलब्ध कराने की मांग करेंगे। रविवार को ग्राम गोना में किसान संघर्ष समिति एवं जय अंबेडकरवादी युवा संगठन राजापड़ाव क्षेत्र के बैनर तले आयोजित विशाल बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से 10 जून को ग्राम अड़गडी में महा बैठक आयोजित करने का फैसला किया।

ग्रामीणों ने बताया कि राजापड़ाव क्षेत्र उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में स्थित है, जहां आठ ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 48 गांव, पारा और टोले आते हैं। इनमें से केवल तीन ग्राम पंचायतों के मुख्य गांवों तक ही बिजली पहुंची है, जबकि उनसे जुड़े कई पारा-टोले आज भी अंधेरे में हैं। वहीं पांच ग्राम पंचायतें पूरी तरह बिजली विहीन हैं।

बैठक में सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, शुद्ध पेयजल, सामुदायिक वन संसाधन तथा व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टों से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विस्तार की मांग पर हर बार उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की एनओसी का हवाला देकर मामला टाल दिया जाता है।

इलाज के दौरान महिला की मौत, अस्पताल प्रबंधन पर लगें आरोप

बिलासपुर। रतनपुर में निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी ने निजी नर्सिंग होम और डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

जानकारी के अनुसार, रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी नवागांव निवासी 50 वर्षीय कुमारी बाई साहू को लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्या से संबंधित चिंता थी। वह पति ईश्वर साहूकार के साथ उपचार के लिए पहले रत्नपुर मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य केंद्र उपकेंद्र थे। आरोपी का आरोप है कि वहां जांच के दौरान डॉक्टर नेहल झा ने महिला को बच्चेदानी में समस्या होने पर ऑपरेशन की सलाह दी। इसके साथ ही कथित तौर पर डॉक्टर ने अपने निजी अस्पताल मदरसा नर्सिंग होम में ऑपरेशन की बात कही।

विशेषज्ञों के अनुसार, महिला को बाद में निजी नर्सिंग होम में भर्ती किया गया, जहां ऑपरेशन की तैयारी शुरू की गई। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने ऑपरेशन के लिए 15 हजार रुपये भी वसूले। इसके बाद महिला को ऑपरेशन थिएटर में लेवेल एनस्थिसिया दिया गया। आस्था का कहना है कि एनस्थीसिया जाने के कुछ ही समय बाद महिला की हालत अचानक खराब हो गई। महिला की हालत गंभीर होने पर अस्पताल प्रबंधन ने उसकी स्थिति को देखते हुए उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराने की तैयारी शुरू कर दी।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि बिना कागजात और दस्तावेज के पूरी की गई महिला को निजी कार से सिम्स भेजा गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद प्रिंस के बेटे मुकेश साहू ने रतनपुर स्टेशन में डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ लिखित याचिका दायर कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ऑपरेशन के दौरान स्टॉक एक्सचेंज और एनस्थीसिया की जांच नहीं की गई, क्योंकि उसकी मां की जान चली गई थी। फैज़ ने अस्पताल परिसर में लगे सुपरमार्केट की गैलरी की जांच की मांग भी की है। यहां पुलिस ने नाबालिग रिपोर्ट, अस्पताल के रिकॉर्ड और अन्य चिह्नों के आधार

'श्रम सम्मान राशि योजना' अघोषित रूप से बंद, कर्मचारियों में आक्रोश

रायपुर । 'श्रम सम्मान राशि योजना' अघोषित रूप से बंद, होने के चलतें कर्मचारियों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। नाराज कर्मचारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

बता दे कि छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग द्वारा वित्त निर्देश 29/2023 के माध्यम से श्रम विभाग द्वारा निर्धारित दरों पर दैनिक/मासिक वेतन प्राप्त करने वाले अकुशल, अर्धकुशल, कुशल एवं उच्च कुशल श्रेणी के कर्मचारियों को प्रतिमाह रु.4000 की 'श्रम सम्मान राशि' प्रदान करने का निर्णय लिया गया था। यह निर्णय 01 अगस्त 2023 से प्रभावशील किया गया था, जिससे प्रदेश के 35 हजार से अधिक अनियमित कर्मचारी लाभान्वित हो रहे थे।

किन्तु 5 जून 2026 को वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, इन्द्रावती कोषालय, नवा रायपुर द्वारा जारी पत्र में बिना नियुक्ति आदेश के श्रम सम्मान राशि के देयकों को कोषालय में प्रस्तुत नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश के कारण अनेक विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को श्रम सम्मान राशि से वंचित किए जाने की स्थिति निर्मित हो गई है।गोपाल प्रसाद साहू, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन ने इस स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्य सरकार ने बिना किसी स्पष्ट नीति घोषणा के श्रम सम्मान राशि योजना को अघोषित रूप से समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। फेडरेशन का आरोप है कि जिन कर्मचारियों के लिए यह योजना बनाई गई थी, उन्हें अब तकनीकी कारणों का हवाला देकर लाभ से वंचित किया जा रहा है। फेडरेशन का कहना है कि एक ओर महंगाई लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर अनियमित कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है।

ससुराल से भागी नवविवाहिता, शादी से इनकार पर प्रेमी ने की आत्महत्या

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला सामने आया है। शादी के 45 दिन बाद एक नवविवाहिता अपने प्रेमी के साथ ससुराल से चली गई। बताया जा रहा है कि प्रेमी ने शादी का प्रस्ताव रखने से इनकार कर दिया, जिसके बाद छात्र ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना में एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस जांच में सामने आया कि करीब एक साल पहले दोनों की पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच नज़दीकियां शानदार और वे संपर्क में बने रहे।

बताया जा रहा है कि घटना की रात युवा शराब के नशे में महिला के प्रवेश द्वार था। वह महिला से मिलने के लिए घर से अपने साथ ले गई। इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर ट्रेन के सामने कथित तौर पर सामान दिया।

पीड़िता की कोशिश में महिला भी घायल

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, युवक की कोशिश में महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे आपातकालीन अस्पताल में भर्ती किया गया, जहाँ उसका उपचार जारी है।

विवाहिता से युवक के थे संबंध

पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि मृत छात्र पहले से शादीशुदा था।

विश्व पर्यावरण दिवस - विद्यार्थियों ने लिया स्वच्छ पर्यावरण का संकल्प

विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण, पोस्टर निर्माण एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

गंडई / पंडरिया/। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वर्गीय लाल मुरत सिंह खुशरो शासकीय हिंदी/अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, गंडई में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षिक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित विकास के प्रति जागरूक किया गया।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण, पोस्टर निर्माण, भाषण, निबंध लेखन एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, प्लास्टिक मुक्त जीवन और स्वच्छता जैसे विषयों पर आकर्षक पोस्टर एवं प्रेरक संदेश प्रस्तुत किए,विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की जानकारी भी दी गई, कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया गया।

विद्यालय में 1 जून से 15 जून 2026 तक प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक समर कैंप का भी सफल संचालन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 55 विद्यार्थी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को निखारना, रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है,समर कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), आर्ट एंड क्राफ्ट, हस्तलेखन, मेहंदी, रंगोली, खेलकूद, योग, नृत्य, गायन एवं पर्यावरण जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है,साथ ही विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने के लिए AI आधारित प्रारंभिक ज्ञान भी प्रदान किया जा रहा है।

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं पोषण को ध्यान में रखते हुए समर कैंप में प्रतिदिन पौष्टिक एवं संतुलित भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली की आदतों को बढ़ावा मिल रहा है तथा उनकी नियमित उपस्थिति और सहभागिता में वृद्धि देखी जा रही है।

यह सभी गतिविधियां विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार ददरया एवं समस्त शिक्षकों के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही हैं।

रायपुर में छिपा था बिहार का इनामी आरोपी, स्टील फैक्ट्री से दबोचा गया

रायपुर। बिहार के चर्चित गैंगरेप, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट मामले में फरार चल रहा 25 हजार रुपये का इनामी आरोपी आखिरकार रायपुर ग्रामीण पुलिस के शिकंजे में आ गया। आरोपी पिछले कई वर्षों से सिलतरा के औद्योगिक क्षेत्र में अपनी पहचान छिपाकर एक निजी स्टील कंपनी में नौकरी कर रहा था।

पुलिस के अनुसार जहानाबाद (बिहार) के महिला थाना में वर्ष 2019 में दर्ज एक गंभीर आपराधिक प्रकरण में आरोपी अजय यादव फरार चल रहा था। उसके खिलाफ गैंगरेप, हत्या के प्रयास, लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट समेत कई संगीन धाराओं के तहत अपराध दर्ज है। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते मगध रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

तकनीकी विश्लेषण और खुफिया सूचनाओं के आधार पर बिहार पुलिस को पता चला कि आरोपी रायपुर जिले में छिपा हुआ है। इसके बाद जहानाबाद पुलिस की विशेष टीम रायपुर पहुंची और सिलतरा चौकी पुलिस से संपर्क किया। चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह कंवर के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी सिलतरा स्थित एक निजी स्टील कंपनी में कार्यरत है और वर्षों से अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर रह रहा है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई कॉस्ट हुई 1,600 रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली। वेस्ट एशिया संकट के बीच 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की सप्लाई की लागत बढ़कर 1,600 रुपए से ज्यादा हो गई है। अब हर घरेलू सिलेंडर पर लगभग 700 रुपए का नुकसान (अंडर-रिकवरी) उठाना पड़ रहा है। साथ ही, घरेलू कुकिंग गैस की कीमतों में प्रति सिलेंडर 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, इसका असर पूरी तरह से मार्केट-प्राइस वाले कमर्शियल सिलेंडर पर साफ दिखता है। वेस्ट एशिया संकट के दौरान पांच बार दाम बढ़ने के बाद, होटल और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाला 19 किलो का सिलेंडर दिल्ली में 3,113.50 रुपए (लगभग 164 रुपये प्रति किलो) में बिकता है।

इसके उलट, घरेलू इस्तेमाल के लिए दाम में बदलाव के बाद कीमत लगभग 66 रुपए प्रति किलो है। कमर्शियल गैस पर टैक्स की दर और मार्जिन ज्यादा होता है, इसलिए इसकी कीमत घरेलू गैस की लागत-आधारित कीमत से ज्यादा होती है। फिर भी, मंत्रालय ने बताया कि घरेलू सिलेंडर की इंपोर्ट-लिंक्ड लागत 1,600 रुपए से ज्यादा बैठती है।

जब संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में हालात मुश्किल हो गए तो इस रास्ते से होने वाला ज़्यादातर कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रुक गया। भारत की एलपीजी खपत का लगभग 54 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से आता था, जिससे खाना पकाने वाली गैस की सप्लाई पर रुकावट का सीधा असर पड़ने का खतरा पैदा हो गया।

भारत उन कुछ देशों में से एक था जिसने अपने एनर्जी कार्गो की आवाजाही जारी रखी। लगातार तालमेल बिठाकर, भारतीय झंडे वाले टैंकरों ने स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) से गुजरना और भारतीय बंदरगाहों पर कच्चा तेल और एलपीजी की लगातार खेप उतारना जारी रखा। मंत्रालय ने कहा कि किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कोई कमी नहीं हुई और पूरे नेटवर्क में बॉटलिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का काम सामान्य रूप से चलता रहा। रुकावट के बावजूद सप्लाई बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए गए।

सप्लाई के मोर्चे पर, आयात में आई कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन को लगभग 32 टीएमटी से बढ़ाकर लगभग 52 टीएमटी कर दिया गया, यानी इसमें 60 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई। लगातार तालमेल की वजह से एलपीजी ले जाने वाले जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलते रहे।

भारत ने किसी भी दूसरे देश के मुकाबले ऐसे सबसे ज्यादा जहाज बाहर निकाले और ऐसा बिना कोई टोल दिए किया। सरकारी बयान के मुताबिक, दुनिया भर के सप्लायर्स से एलपीजी मंगाने का दायरा बढ़ाया गया, जिनमें वे देश भी शामिल थे जिनके जहाज इस जलडमरूमध्य से नहीं गुजरते (जैसे अमेरिका, कनाडा और अल्जीरिया) और उपलब्ध एलपीजी को घरों तथा अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले उपभोक्ताओं तक पहुंचाया गया।

असम में ईयू का उच्चस्तरीय दौराः पूर्वोत्तर भारत के लिए नए आर्थिक अवसरों की शुरुआत

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 'टीम यूरोप' 8 और 9 जून को असम के दौरे पर रहेगा। दौरे का उद्देश्य भारत के पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के साथ यूरोप के सहयोग के अवसरों को टटोलना और उन्हें गति देना है।

यह पहल जनवरी 2026 में हुए ईयू-भारत शिखर सम्मेलन में सहमत संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा की प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

यात्रा का फोकस उन क्षेत्रों की मूल्य श्रृंखलाओं पर होगा, जहां यूरोप, असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के बीच मजबूत सामंजस्य मौजूद है। इनमें नवीकरणीय एवं हरित ऊर्जा, सतत शहरी अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवा एवं फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, चाय एवं कृषि-खाद्य प्रसंस्करण, फ्लेवर एवं फ्रेगरेंस (सुगंध एवं स्वाद उद्योग) तथा आयुष क्षेत्र शामिल हैं।

ईयू प्रतिनिधिमंडल में भारत और भूटान में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन सहित ईयू सदस्य देशों के राजदूत और वरिष्ठ प्रतिनिधि के साथ यूरोपीय व्यापार जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

दौरे के दौरान 'टीम यूरोप' के राजदूत असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

वहीं, फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआइ) के नेतृत्व में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल राज्य के अधिकारियों के साथ व्यापार और निवेश के अवसरों पर चर्चा करेगा।

सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण असम के पहले 'ब्लू वैली क्लस्टर' का शुभारंभ होगा। यह औद्योगिक केंद्र फ्रेगरेंस, फ्लेवर, आयुष और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों पर केंद्रित रहेगा। सार्वजनिक-निजी-जन भागीदारी (4पी यानी पब्लिक-प्राइवेट-पीपल-पार्टनरशिप) मॉडल पर आधारित यह परियोजना यूरोप, पूर्वोत्तर भारत और भूटान के बीच नवाचार, अनुसंधान और सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी।

केंद्र सरकार की योजना से युवक की बदली जिंदगी, पोल्ट्री फार्म से हर महीने 50-60 हजार की कमाई

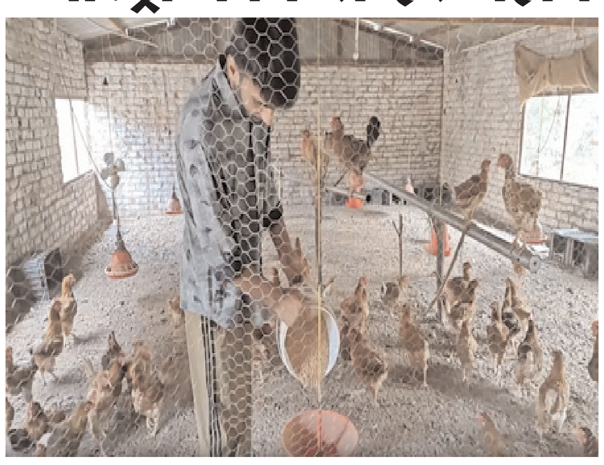

राजौरी । जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का प्रभाव तेजी से दिखाई दे रहा है। जहां कई बेरोजगार युवा और किसान आय के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में मुर्गी पालन की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसी ही एक सफलता की कहानी तांडवाल-मुबारकपुरा क्षेत्र से सामने आई है, जहां लाभार्थी एहतेशाम ने पशुपालन विभाग के सहयोग से एक मुर्गी पालन इकाई स्थापित की है और अब वह लगभग 50,000 से 60,000 रुपये प्रति माह कमा रहा है।

इस उद्यम ने स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं, जो दर्शाता है कि सरकार समर्थित पहल जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास में कैसे योगदान दे रही हैं। लाभार्थी ने केंद्र सरकार और विभाग को वित्तीय सहायता, सब्सिडी और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे उन्हें एक छोटे से प्रयास को लाभदायक उद्यम में बदलने में मदद मिली।

राजौरी के मुख्य पशुपालन अधिकारी डॉ. खालिद ने कहा कि मुर्गी पालन जिले में आजीविका का एक आशाजनक विकल्प बनकर उभरा है, विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत दर्जनों इकाइयां पहले से ही सफलतापूर्वक चल रही हैं। उन्होंने कहा कि विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है कि लाभार्थियों को अपने उद्यम स्थापित करने और विस्तार करने के लिए उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और सहायता मिले।

डॉ. खालिद के अनुसार, इन योजनाओं से विशेष रूप से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को लाभ हो रहा है जो अपने घरों के पास स्वरोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। विभाग इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करना जारी रखेगा और उनके व्यवसायों को मजबूत करने, उनकी आय बढ़ाने और राजौरी की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

एहतेशाम ने मीडिया को बताया, 'हमने अब मुर्गी पालन शुरू किया है, जहां हमने मुर्गियां पाली हैं और अंडे बेच रहे हैं। यह मुर्गी पालन केंद्र सरकार के पशुपालन विभाग की योजना के तहत शुरू किया गया है। कुछ समय पहले मेरे पिता को इस योजना के बारे में पता चला। इससे पहले हमारे पास घर चलाने के लिए कोई रोज़गार या आय का स्रोत नहीं था। रोज़गार के अवसर प्रदान करने वाली पशुपालन योजना के बारे में जानने के बाद, मेरे पिता ने इसके लिए आवेदन किया था। पशुपालन विभाग ने इस पोल्ट्री फार्म को शुरू करने के लिए मुर्गियों के बच्चे उपलब्ध कराए और ट्रेनिंग के साथ लोन भी उपलब्ध कराया है।

मार्केट आउटलुकः अमेरिका-ईरान तनाव, एआई, महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए अगला हफ्ता उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। इस दौरान अमेरिका-ईरान तनाव, एआई को लेकर निवेशकों का रुझान, महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमत जैसे कारक बाजार की दिशा तय करेंगे।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। इजरायल की ओर से लेबनान पर लगातार बमबारी के चलते ईरान भी मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर आक्रामक बना हुआ है। ऐसे में अगले हफ्ते इस युद्ध को लेकर आने वाले अपडेट बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

इसके साथ कच्चे तेल की चाल भी बाजार के लिए अहम होगी। मौजूदा समय में ब्रेंट क्रूड करीब 93 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल पर था।

अमेरिका में एआई शेयरों की चाल पर भी बाजार की नजर रहेगी। शुक्रवार के सत्र में अमेरिकी में टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक में 5 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली थी। इस दौरान एआई थीम जुड़े शेयर जैसे एनवीडिया, माइक्रोन टेक्नोलॉजी और मार्वल टेक्नोलॉजी में करीब 17 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली थी।

इसके अलावा, सरकार द्वारा 12 जून को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़े सीधे तौर पर बाजार से जुड़े होते हैं, क्योंकि इससे समग्र अर्थव्यवस्था की तस्वीर स्पष्ट होती है।

बीता एक हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए नुकसान वाला रहा। इस दौरान निफ्टी में 181.05 अंक या 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,366.70 और सेंसेक्स 532.40 अंक या 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,243.34 पर बंद हुआ।

इस दौरान मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 6.69 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 1.26 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी एफएमसीजी 2.19 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.86 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 1.83 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 1.74 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.63 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 1.44 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

अदाणी ग्रुप के धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में बनेंगे 1.25 लाख घर, 10 लाख से अधिक झुग्गीवासियों को मिलेगा पुनर्वास

मुंबई। धारावी में अदाणी समूह द्वारा एशिया की सबसे बड़ी शहरी पुनर्विकास परियोजना में 10 लाख से अधिक झुग्गीवासियों का पुनर्वास होगा, जिसके लिए 125,000 घरों का निर्माण किया जा रहा है।

एचएसबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 600 एकड़ में फैले धारावी को एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती माना जाता है। इसमें दस लाख से अधिक लोग रहते हैं, साथ ही यहां चार बड़ी इंडस्ट्री जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा और प्लास्टिक स्क्रैप उद्योग शामिल है।

2022 में स्वीकृत धारावी पुनर्विकास परियोजना को एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत चलाया जा रहा है। इसमें महाराष्ट्र सरकार की 20 प्रतिशत और अदाणी समूह की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसका उद्देश्य झुग्गीवासियों को ऊंची इमारतों में पुनर्वासित करके, बुनियादी ढांचे को बनाकर और आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के निर्माण के लिए मुक्त बिक्री क्षेत्र का उपयोग करके झुग्गी बस्ती को एक शहरी ट्रांजिट हब में बदलना है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पुनर्विकास परियोजना 225 मिलियन स्क्वायर फीट के क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें से 95 मिलियन स्क्वायर फीट पुनर्वास क्षेत्र और 130 मिलियन स्क्वायर फीट क्षेत्र मुक्त बिक्री क्षेत्र है। पुनर्वास क्षेत्र में 10 लाख से अधिक झुग्गीवासियों को शामिल किया गया है, जिनके लिए 1,25,000 से अधिक आवास इकाइयों का निर्माण किया जाना है। इनमें से आधी इकाइयां धारावी के मौजूदा क्षेत्र में बनाई जानी हैं, जबकि शेष इकाइयां एमएमआर क्षेत्र के छह इलाकों में फैली हुई हैं।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना से अदाणी समूह के लिए 130 मिलियन स्क्वायर फीट मुक्त बिक्री क्षेत्र भी उपलब्ध हो जाता है, जो मुंबई के केंद्रीय व्यापार जिले बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है। यह वित्त वर्ष 2026 में शहर की आवासीय मांग से लगभग 2.5 गुना अधिक क्षेत्र है। रिपोर्ट के अनुसार, अदाणी समूह की इस क्षेत्र में आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के विकास के साथ-साथ प्रमुख बुनियादी ढांचे के उन्नयन की योजना है, जिसमें तीन मेट्रो स्टेशनों वाला एक बहु-आयामी परिवहन केंद्र, बस डिपो, खेल केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, ग्रीन एरिया और पैदल मार्ग शामिल हैं।

अदाणी समूह का लक्ष्य अगले सात से आठ वर्षों में परियोजना के पुनर्वास भाग को पूरा करना है। भारतीय रेलवे की भूमि पर पहली इमारत दिसंबर 2026 में सौंप दी जाएगी और वित्त वर्ष 2027 में 30,000 इकाइयों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी पुनर्वासित इकाइयों के लिए 10 वर्षों का संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) प्रदान करने, मीठी नदी और देवनार डंपिंग ग्राउंड की सफाई करने, मीठी नदी के किनारे 6 किलोमीटर लंबी मैंग्रोव क्रीक और मरीन ड्राइव शैली का सैरगाह विकसित करने के साथ-साथ अन्य अवसंरचना उन्नयन की भी योजना बना रही है।

झारखंड से आमों का निर्यात शुरू, पहली खेप यूनाइटेड किंगडम भेजी गई

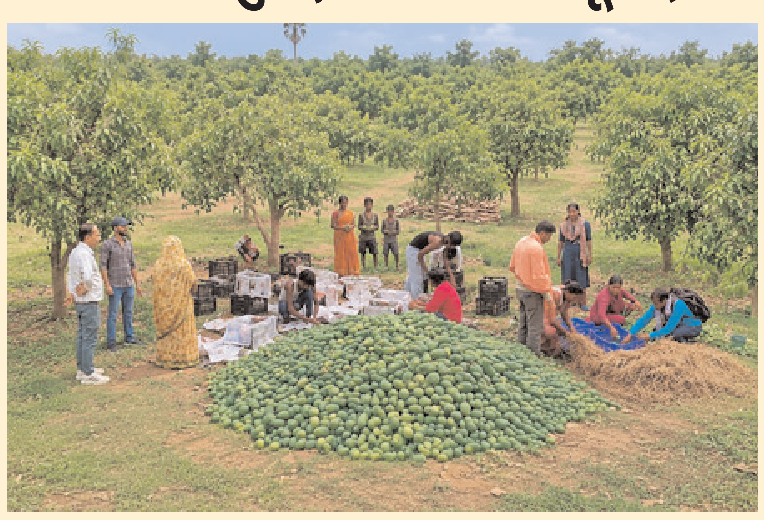

नई दिल्ली। केंद्र सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम झारखंड राज्य के आमों का निर्यात शुरू किया गया है और पहली खेप को यूनाइटेड किंगडम भेजा गया है। यह जानकारी वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

इसे स्थानीय सामान के विदेशों में जाने का शानदार उदाहरण बताते हुए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। एपीडा के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने राज्य से यूनाइटेड किंगडम के लिए ताजे आमों की पहली वाणिज्यिक खेप को हरी झंडी दिखाकर 4 जून 2026 को कोलकाता से रवाना किया।

मंत्रालय ने बताया कि इस खेप में झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो ब्लॉक में स्थित महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त 1.5 मीट्रिक टन ताजे आम्रपाली आम है। इस खेप का निर्यात कोलकाता स्थित मैसर्स जेजीबी एग्रोफ्रेश प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लंदन, यूनाइटेड किंगडम को किया जा रहा है। यह निर्यात, सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और प्रगतिशील किसानों के लिए एपीडा द्वारा 5 मई, 2026 को आयोजित निर्यात-उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम के बाद किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यात संबंधी आवश्यकताओं, गुणवत्ता मानकों और बाजार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना था। मंत्रालय के मुताबिक, इसके बाद, एपीडा ने जिले से निर्यात योग्य गुणवत्ता वाले आमों की खरीद के लिए बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और मैसर्स जेजीबी एग्रोफ्रेश प्राइवेट लिमिटेड के बीच संपर्क स्थापित करने में सहायता की। वर्तमान खेप इसी पहल का परिणाम है।

सरकार ने आगे कहा कि इस पहल से क्षेत्र के किसान समूहों के बीच गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पद्धतियों को अपनाने, फसल कटाई के बाद बेहतर प्रबंधन करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करने को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

'भारत में सबसे सस्ती रसोई गैस', विपक्ष के आरोपों का भाजपा नेता अमित मालवीय ने आंकड़ों के साथ दिया जवाब

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर विपक्ष के आरोपों पर आंकड़ों के साथ पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारत और अन्य देशों में एलपीजी की कीमतों का तुलनात्मक विवरण शेयर किया।

अमित मालवीय ने कहा, 'हर बार जब एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में मामूली वृद्धि होती है, विपक्ष हंगामा खड़ा कर देता है। लेकिन वह यह नहीं बताता कि आज भी भारत में रसोई गैस दुनिया के सबसे सस्ते दामों में उपलब्ध है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी 14.2 किलोग्राम का सिलेंडर प्रभावी रूप से सिर्फ 642 रुपये में प्राप्त करते हैं, जबकि इसकी वास्तविक अंतरराष्ट्रीय लागत 1,600 रुपये से अधिक हो चुकी है। सामान्य उपभोक्ता भी 942 रुपये में सिलेंडर खरीद रहा है, जो वास्तविक लागत से लगभग 700 रुपये कम है।'

उन्होंने पड़ोसी देशों में एलपीजी की कीमतों की तुलना करते हुए बताया कि पाकिस्तान में इसकी कीमत 1,046 रुपये, नेपाल में 1,207 रुपये, बांग्लादेश में 1,225 रुपये और श्रीलंका में 1,241 रुपये है। वहीं, विकसित देशों में अमेरिका में एलपीजी की कीमत 1,755 रुपये, ऑस्ट्रेलिया में 1,765 रुपये और कनाडा में 2,411 रुपये बताई गई है।

भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम एशिया में संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण फरवरी से जून के बीच एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उनका कहना है कि भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, फिर भी सरकार ने इस बोझ को सीधे उपभोक्ताओं पर नहीं डाला।

उन्होंने दावा किया कि घरेलू एलपीजी पर अंडर-रिकवरी का बोझ लगभग 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जिसे सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां वहन कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, 10.58 करोड़ से अधिक उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की प्रत्यक्ष सहायता भी दी जा रही है। मालवीय ने कहा कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत में न तो गैस की कमी हुई और न ही आपूर्ति बाधित हुई। उनके अनुसार, सरकार ने उत्पादन बढ़ाया, वैकल्पिक स्रोतों से आयात सुनिश्चित किया और देशभर में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखी।

उन्होंने कहा कि उज्ज्वला लाभार्थी अंतरराष्ट्रीय कीमत की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत कम कीमत पर गैस प्राप्त कर रहे हैं, जबकि सामान्य उपभोक्ता भी अंतरराष्ट्रीय कीमत से लगभग 45 प्रतिशत कम भुगतान कर रहा है। उनके अनुसार, भारत में रसोई गैस की कीमत पड़ोसी देशों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है।

विश्व महासागर दिवस विशेष: अथाह गहराइयों का मौन संकट, जहां नीली धरती की सांसें हो रहीं भारी

नई दिल्ली। सागर प्रकृति का वह अद्भुत शिक्षक है, जो गंभीरता, सामर्थ्य, मर्यादा और स्थिरता का पाठ पढ़ाता है। अपार शक्ति होते हुए भी वह अपनीसीमाएं नहीं लांघता। उसकी गहराई जितनी अधिक होती है, उसका स्वभाव उतना ही शांत दिखाई देता है, लेकिन आज इसी महासागर को समर्थन की जरूरत है। विडंबना यह है कि इंसान पृथ्वी से लाखों किलोमीटर दूर चंद्रमा पर पानी की तलाश कर रहा है, जबकि पृथ्वी पर मौजूद विशाल जलसंपदा को अपनी महत्वाकांक्षाओं और अनियंत्रित दोहन की भेंट चढ़ा रहा है। इसका असर केवल महासागरों तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री जैव विविधता भी तेजी से प्रभावित हो रही है। अनेक समुद्री जीव और पारिस्थितिक तंत्र मानवजनित प्रदूषण, अत्यधिक मछली पकड़ने और जलवायु परिवर्तन के कारण अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, बड़ी मछलियों की 90 प्रतिशत आबादी खत्म हो चुकी है और 50 प्रतिशत प्रवाल भित्तियां नष्ट हो चुकी हैं। हम समुद्र से इतना कुछ ले रहे हैं जितना उसकी भरपाई नहीं हो पा रही है। महासागर पृथ्वी के 70 प्रतिशत से अधिक भाग को कवर करता है। यह हमारे जीवन का स्रोत है, जो मानवता और पृथ्वी पर मौजूद प्रत्येक जीव के जीवनयापन का आधार है। महासागर पृथ्वी की कम से कम 50 प्रतिशत ऑक्सीजन का उत्पादन करता है, यह पृथ्वी की अधिकांश जैव विविधता का घर है और दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोगों के लिए प्रोटीन का मुख्य स्रोत है।इसके अलावा, महासागर हमारी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और अनुमान है कि 2030 तक महासागर आधारित उद्योगों में 4 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। इतने व्यापक योगदान के बावजूद आज महासागर स्वयं संरक्षण और समर्थन की अपेक्षा कर रहा है। वर्तमान में प्लास्टिक कचरा पृथ्वी के लगभग हर हिस्से में अपनी जगह बना चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार, अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो 2040 तक हर साल सागर में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक की मात्रा 3.7 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है।हालांकि, अब समय है कि महासागर के साथ हमारा संबंध केवल दोहन का नहीं, बल्कि संरक्षण और पुनर्जीवन का बने। इसके लिए वैश्विक स्तर पर संतुलित और टिकाऊ प्रयासों की जरूरत है, इसीलिए समुद्री संसाधनों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 8 जून 2009 में पहला विश्व सागर दिवस मनाया गया। इतिहास पर नजर डालें तो विश्व महासागर दिवस की अवधारणा पहली बार 8 जून 1992 को रियो डी जनेरियो में आयोजित ग्लोबल फोरम के दौरान सामने आई थी। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन (यूएनसीईडी) के समानांतर आयोजित किया गया था, जहां गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज को पर्यावरणीय मुद्दों पर अपने विचार रखने का अवसर मिला।इसके बाद साल 2008 में कनाडा के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर 8 जून को आधिकारिक रूप से 'विश्व महासागर दिवस' के रूप में मान्यता दे दी। परिणामस्वरूप साल 2009 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से पहला आधिकारिक 'विश्व महासागर दिवस' मनाया गया। साल 2009 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से विश्व महासागर दिवस के पहले आयोजन का विषय 'हमारे महासागर, हमारी जिम्मेदारी' था। परंपरागत रूप से यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया जाता है, लेकिन कोविड-19 के कारण संयुक्त राष्ट्र विश्व महासागर दिवस 2020 पहली बार डिजिटल रूप में आयोजित किया गया, जो वैश्विक जनता के लिए सुलभ था। संयुक्त राष्ट्र विश्व महासागर दिवस 2022 वार्षिक आयोजन का पहला हाइब्रिड उत्सव था, जिसमें न्यूयॉर्क शहर में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित प्रत्यक्ष कार्यक्रम और वैश्विक जनता की पहुंच के लिए आभासी घटक दोनों शामिल थे।

फायदेमंद ही नहीं, हर उम्र के लिए मजेदार भी है योगासन, आयुष मंत्रालय ने बताया कैसे

योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना नए योगासनों के बारे में जानकारी देते हुए इसे दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दे रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने योगासनों के महत्व को समझाते हुए बताया कि यह तन-मन के लिए फायदेमंद होने के साथ ही मजेदार भी होता है।

मंत्रालय के अनुसार, योग हर किसी के लिए है - चाहे बच्चे हो, युवा हों या बुजुर्ग। यह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि मजेदार भी हो सकता है। आयुष मंत्रालय ने कहा कि योगासन को रोचक बनाने के लिए एनिमल पोज जैसे जानवरों की मुद्राओं को अपनाया जा सकता है। इन पोज से बच्चों को योग सीखने में मजा आता है और शरीर भी लचीला बनता है।

इसके साथ ही स्कूलों या ऑफिसों में क्लास के बीच छोटे-छोटे योगा ब्रेक लिए जा सकते हैं, जिससे थकान दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है। ग्रुप योगा एक्टिविटीज परिवार और दोस्तों के साथ योग करने का मजा दोगुना कर देती हैं। मंत्रालय ने 'योग क्रिएटिविटी चैलेंज' की घोषणा करते हुए बताया कि इसमें लोग अपने सबसे अनोखे और क्रिएटिव योग पोज बना सकते हैं। इन्हें फोटो या वीडियो के रूप में सोशल मीडिया पर पोस्ट भी कर सकते हैं। यह चैलेंज लोगों को योग के प्रति रचनात्मक बनाने और नई मुद्राएं आजमाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

मंत्रालय का कहना है कि जब योग मजेदार होता है तो लोग इसे लंबे समय तक जारी रखते हैं। योग एक्सपर्ट विशेष रूप से युवाओं से आग्रह करते हैं कि स्वस्थ बुढ़ापे की नींव आज से ही रखें। नियमित योग, हल्की शारीरिक गतिविधि और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने से उम्र बढ़ने के साथ भी शरीर और मन स्वस्थ रहता है। हेल्दी एजिंग की यात्रा लाइफलॉन्ग मूवमेंट और योग से शुरू होती है।

योग सिर्फ आसनों तक सीमित नहीं है। यह सांस लेने की तकनीक, ध्यान और शारीरिक जागरूकता का समूह है जो हर उम्र के लोगों को लाभ पहुंचाता है। घर पर, पार्क में या क्लासरूम में - कहीं भी योग किया जा सकता है।

देश में इबोला का कोई मामला नहीं, प्रभावित देशों से लौटे यात्रियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

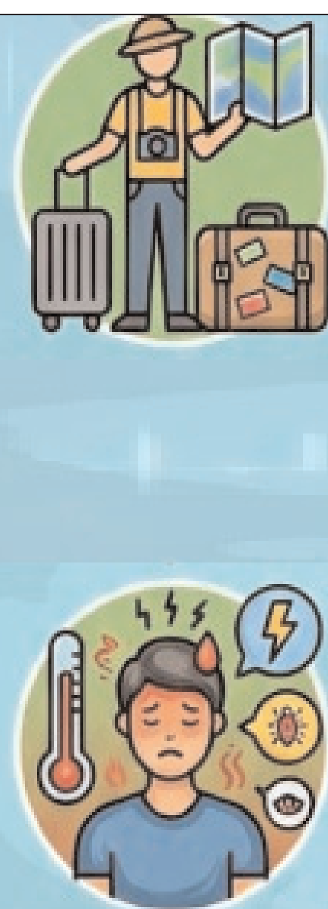

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इबोला वायरस बीमारी को लेकर एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 2 जून 2026 तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों को सतर्क रहने और निर्धारित स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि यदि कोई व्यक्ति पिछले 21 दिनों के भीतर इबोला प्रभावित किसी देश की यात्रा करके आया है या वहां से होकर गुजरा है और उसे बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या बिना किसी स्पष्ट कारण के रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो उसे तुरंत खुद को दूसरों से अलग कर लेना चाहिए। साथ ही स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को इसकी जानकारी देनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक जांच और उपचार की व्यवस्था की जा सके। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध लक्षण को नजरअंदाज न करें। शुरुआती स्तर पर बीमारी की जानकारी देने से मरीज का इलाज जल्दी शुरू किया जा सकता है और संक्रमण के संभावित फैलाव को भी रोका जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, समय पर रिपोर्टिंग कई लोगों की जान बचाने में मददगार साबित हो सकती है। लोगों की सहायता के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी 24 घंटे और सातों दिन उपलब्ध हेल्पलाइन सेवा का भी उल्लेख किया है। मंत्रालय ने कहा कि इबोला से जुड़ी जानकारी, सलाह या किसी प्रकार की सहायता के लिए नागरिक हेल्पलाइन नंबर 1075 पर संपर्क कर सकते हैं।

इबोला एक गंभीर और कई मामलों में जानलेवा संक्रामक बीमारी है। यह मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, पसीना, लार या अन्य शारीरिक स्राव के संपर्क में आने से फैलती है। इस बीमारी के शुरुआती लक्षण सामान्य बुखार जैसे हो सकते हैं, लेकिन बाद में यह गंभीर रूप ले सकती है। कई मामलों में आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के बढ़ते दायरे को देखते हुए सतर्कता बेहद जरूरी है। हालांकि, भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और यदि किसी व्यक्ति में संदिग्ध लक्षण दिखाई दें तो तुरंत स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें। जागरूकता, सतर्कता और समय पर रिपोर्टिंग ही इस तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

यादों में अब्बास साहब : समानांतर सिनेमा के अग्रदूत में से एक, जिन्होंने 'सदी के महानायक' को परखा

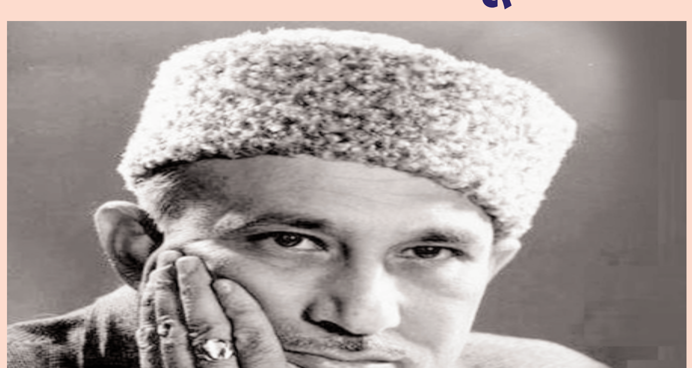

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं, जिनका योगदान पर्दे पर दिखने वाली फिल्मों से कहीं बड़ा है। ख्वाजा अहमद अब्बास ऐसा ही एक नाम हैं। लेखक, निर्देशक, पत्रकार और विचारक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अब्बास ने न केवल भारतीय समानांतर सिनेमा को नई दिशा दी, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को वह कलाकार भी दिया, जिसे आज दुनिया 'सदी का महानायक' कहती है। यह कलाकार हैं अमिताभ बच्चन।

ख्वाजा अहमद अब्बास उन चुनिंदा फिल्मकारों में शामिल थे, जो प्रतिभा को उसके शुरुआती दौर में ही पहचानने की क्षमता रखते थे। साल 1969 में जब वह अपनी फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' के लिए नए कलाकारों की तलाश कर रहे थे, तब उनकी नजर एक लंबे, दुबले-पतले युवक पर पड़ी। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह युवक आगे चलकर भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सितारा बनेगा लेकिन अब्बास ने अमिताभ बच्चन में वह संभावना देख ली थी, जो बाद में पूरी दुनिया के सामने आई।

7 जून 1914 को हरियाणा के पानीपत में जन्मे ख्वाजा अहमद अब्बास का जीवन साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा के इर्द-गिर्द घूमता रहा। शुरुआती पढ़ाई पानीपत में करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक और कानून की शिक्षा प्राप्त की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखा और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक लेखनी के जरिए पहचान बनाई।

सिनेमा की दुनिया में उनका प्रवेश 1930 के दशक में हुआ। उन्होंने शुरुआत पटकथा लेखन से की और धीरे-धीरे निर्देशन की ओर बढ़े। उनकी फिल्मों में आम लोगों के संघर्ष, सामाजिक असमानता और देश के बदलते हालात प्रमुख विषय होते थे। यही वजह थी कि उन्हें भारतीय समानांतर सिनेमा के अग्रदूत में से एक माना जाता है।

उनकी निर्देशित शुरुआती फिल्मों में 'धरती के लाल' का विशेष स्थान है। इसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्में बनाईं, जिन्होंने समाज के यथार्थ को बड़े पर्दे पर उतारा। उनकी फिल्म 'शहर और सपना' को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला और इसने उन्हें एक संवेदनशील फिल्मकार के रूप में स्थापित किया।

हालांकि, उनकी सबसे चर्चित फिल्मों में 'सात हिंदुस्तानी' का नाम सबसे ऊपर आता है। इसी फिल्म से अमिताभ बच्चन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। बाद में अमिताभ ने कई मौकों पर बताया कि मुंबई में हुई पहली मुलाकात के दौरान अब्बास ने उनसे लंबी बातचीत की थी और कुछ ही समय में उनकी क्षमता को पहचान लिया था।

अमिताभ बच्चन ने यह भी याद किया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान पूरी टीम एक परिवार की तरह रहती थी। सभी कलाकार एक साथ यात्रा करते, एक साथ रहते और समान सुविधाओं का इस्तेमाल करते थे। अब्बास साहब का मानना था कि कलाकार को अपने किरदार और कहानी से जुड़ने के लिए जमीन से जुड़े रहना चाहिए।

ख्वाजा अहमद अब्बास ने केवल निर्देशन ही नहीं किया बल्कि कई प्रतिष्ठित फिल्मों की पटकथा भी लिखी। राज कपूर की 'आवारा', 'श्री 420', 'जागते रहो', 'मेरा नाम जोकर' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों में उनके लेखन की गहरी छाप दिखाई देती है।

'वहां मैं अपना सबसे बेहतर वर्जन पाती हूं'

लंदन मुझे खुद से जोड़ता है, यही वजह है कि मैं वहां अपना सबसे अच्छा संगीत बना पाती हूं।

– ओलिविया रोड्रिगो

ओलिविया रोड्रिगो को लंदन में मिलता है सबसे ज्यादा सुकून

मुंबई। अमेरिकी गापिका और गीतकार ओलिविया रोड्रिगो इन दिनों अपने नए एल्बम को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरल्यू में उन्होंने अपनी निशी जिंदगी और नए एल्बम से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनके लिए लंदन एक ऐसी जगह है जहां वह खुद को अपने सबसे बेहतर रूप में पाती हैं।

लंदन: जहां मैं खुद का सबसे बेहतर वर्जन बनती हूं

"जब भी मैं लंदन में होती हूं, मुझे लगता है कि मैं खुद का सबसे बेहतर वर्जन बन जाती हूं। इस शहर का माहौल, इसकी संस्कृति और यहां का जीवन एक अलग ही एनर्जी देता है। मेरे नए एल्बम 'यू सीम प्रीटी सैड फॉर ए गरी सो इन ल्व' का बड़ा हिस्सा लंदन में लिखा गया। यह एल्बम वहां बिताए समय से प्रेरित है।"

बारिश और संगीत का खास कनेक्शन

"लंदन का मौसम भी मेरी क्रिएटिविटी को बढ़ाता है। यहां इतनी बारिश होती है कि लोग बाहर जाने के बजाय घर के अंदर बैठकर गितार बजाते हैं और गाने लिखते हैं। मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। बारिश भरे दिनों में मुझे अपने विचारों और भावनाओं के साथ समय बिताने का मौका मिलता हैं, जिससे नए गीत बनते हैं।"

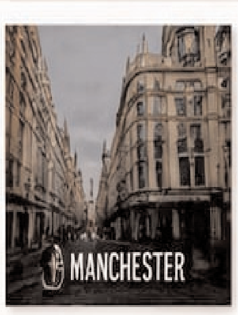

मैनचेस्टर से भी खास जुड़ाव

मिर्क लंदन ही नहीं, लल्कि इंग्लैंड का मैनचेस्टर शहर भी उन्हें काकी प्रेरित करता है। ओलिविया ने बताया कि कुछ साल पहले उन्होंने मैनचेस्टर में भी समय बिताया था और वहां का अनुभव उनके लिए यादगार रहा। बता दें कि मैनचेस्टर दुनिया के कई मशहूर बैंड्स का घर रहा है। यहां से संगीत की दुनिया को कई ऐसे कलाकार मिले हैं, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

नए एल्बम को लेकर क्या बोलीं ओलिविया?

अपने नए एल्बम के बारे में बात करते हुए ओलिविया ने कहा, "शुरूआत में मेरा प्लान इसे साल की शुरूआव में रिलीज करने का था। मैंने सोचा था कि फरवरी में पहला सिंगल रिलीज करूंगी और जुन तक पुरा एल्बम दर्शकों के सामने आ जाएगा। लेकिन समय के साय मुझे महसूस हुआ कि कुछ चीजों को और बेहतर बनाने की जरूरत है।"

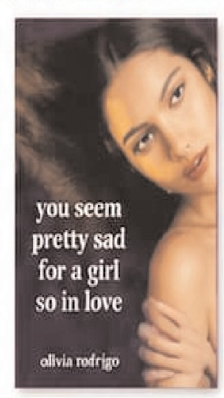

धैर्य और परफेक्शन है मंत्र

उन्होंने कहा, "एक अच्छा एल्बम तैयार करने में काकी समय लगता है। कई बार अपने काम को दोबारा देखने, समझने और सुधारने की जरूरत पड़ती है। इसी कारण मैंने रिलीज की जल्दबाजी नहीं की और खुद को थोड़ा ज्यादा समय दिया।" कभी-कभी बेहतर परिणाम के लिए थोड़ा रूकना और चीजों को नए नजरिए से देखना जरूरी होता हैं।"

'मुंज्या' के दो साल पूरे होने पर अभय वर्मा बोले- 'आज भी लोग 'बिट्टू' बुलाते हैं तो दिन बन जाता है'

मुंबई । हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'मुंज्या' ने अपनी अनोखी कहानी, लोककथा से जुड़े कथानक और तकनीकी प्रयोगों के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचा था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया था। इस फिल्म को रिलीज हुए रविवार को 2 साल पूरे हो गए। इस मौके पर फिल्म में बिट्टू का किरदार निभाने वाले अभिनेता अभय वर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट साझा किया।

अभय वर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कुछ अनदेखी तस्वीरें और शूटिंग के दौरान के खास पलों को साझा किया। इन तस्वीरों में फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों की मस्ती, सेट पर बिताए गए यादगार पल और पर्दे के पीछे की झलकियां देखने को मिल रही हैं। तस्वीरों में अभय अपने को-स्टार्स और टीम के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इन झलकियों ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से ताजा कर दिया है।

इन तस्वीरों के साथ अभय ने लिखा, ' 'मुंज्या' को दो साल पूरे हो गए हैं, और यह वही दिन है जिसने मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। आज भी जब लोग मुझे मेरे किरदार के नाम 'बिट्टू' से बुलाते हैं, तो सच में मेरा दिन बन जाता है। दर्शकों के प्यार और समर्थन ने वह जिंदगी दी है, जिसकी मैंने कभी सिर्फ कल्पना की थी। मैं जल्द ही फैंस के लिए नया प्रोजेक्ट लेकर आ रहा हूं।'

अभय की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने कमेंट किया और लिखा- 'यह फिल्म हमेशा मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में रहेगी।'

'मुंज्या' फिल्म के बारे में बात करें तो इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया था, जबकि इसकी कहानी निरेन भट्ट ने लिखी थी। फिल्म का निर्माण दिनेश विजन और अमर कौशिक ने मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया था। फिल्म की कहानी महाराष्ट्र की लोककथाओं में प्रचलित 'मुंज्या' नामक भूत पर आधारित थी। कहानी में एक ऐसा लड़का है, जो अपने से बड़ी उम्र की लड़की से एकतरफा प्यार करता है। अपनी इच्छा पूरी करने के लिए वह काले जादू का सहारा लेने की कोशिश करता है, लेकिन एक दुर्घटना में उसकी मौत हो जाती है। अधूरी इच्छा के चलते वह एक भूत बनकर भटकता है। सालों बाद उसका सामना अपने ही वंशज बिट्टू से होता है और यहीं से कहानी में रोमांच, डर और हास्य का सिलसिला शुरू होता है। फिल्म में अभय वर्मा ने बिट्टू का किरदार निभाया था। बिट्टू अपनी बचपन की दोस्त बेला (शरवरी वाघ) से प्यार करता है, लेकिन उससे अपने दिल की बात नहीं कह पाता। दूसरी ओर मुंज्या अपनी अधूरी प्रेम कहानी को पूरा करने के लिए बिट्टू को मोहरा बनाने की कोशिश करता है।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है : नेहा हरसोरा

मुंबई। टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर आईएएनएस संग बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं।

मीडिया से बात करते हुए नेहा हरसोरा ने कहा, ' 'डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।''

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, ' 'कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है।

कपूर खानदान के सबसे बड़े 'कंजूस' हैं रणधीर कपूर, करिश्मा कपूर ने सुनाया लंदन शॉपिंग का मजेदार किस्सा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर अपने पिता रणधीर कपूर के साथ कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचीं। बातचीत के दौरान उन्होंने परिवार को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए।

दरअसल, शो के दौरान होस्ट कपिल शर्मा ने करिश्मा कपूर से सवाल किया कि कपूर परिवार में सबसे बड़ा कंजूस कौन है। इस पर उन्होंने सीधे रणधीर कपूर की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह ही परिवार के 'कंजूस कपूर' हैं।

करिश्मा ने अपने पिता के बारे में बताते हुए कहा, ' 'वह पैसे खर्च करने के मामले में बेहद सावधान रहते हैं।

वह हर खर्च को सोच-समझकर करते हैं और बिना जरूरत किसी चीज पर पैसा खर्च करना पसंद नहीं करते।''

बेटी की बात सुनने के बाद रणधीर कपूर ने भी अपनी सफाई पेश की।

उन्होंने कहा, ' 'मेरी सोच केवल 'वैल्यू फॉर मनी' की है। मेरा मानना है कि किसी भी चीज पर तभी पैसा खर्च करना चाहिए जब वह जरूरी हो।''

इसके बाद करिश्मा ने अपने पिता की शॉपिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, 'जब हम सभी छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे, तो सभी लोग शॉपिंग को लेकर काफी उत्साहित रहते थे। हर कोई नए कपड़े, जूते और दूसरे सामान खरीदने में बिजी रहता था। लेकिन पापा का अंदाज बाकी सभी से बिल्कुल अलग होता था। '

करिश्मा ने आगे कहा, ' 'जब मैं पापा से पूछती थी कि आपने शॉपिंग में क्या खरीदा है, तो वह बड़े गर्व से बताते थे कि मैंने दो जोड़ी मोजे खरीदे हैं। कई बार मैं पापा को दोबारा शॉपिंग करने के लिए भेजती थी, ताकि वह अपने लिए कुछ और सामान खरीद सकें। लेकिन जब वह वापस आते थे तो उनके पास सिर्फ दो जोड़ी मोजे और दो रूमाल होते थे।''

इस पर सफाई देते हुए रणधीर कपूर ने कहा, ' 'एक आदमी को आखिर और क्या चाहिए? कुछ जोड़ी मोजे, कुछ रूमाल, कुछ टाई, दो-चार शर्ट और एक-दो पैंट काफी हैं।''

फंडिंग की कमी से शुरू हुआ सफर, मनोज बाजपेयी ने बताया कैसे बनीं 'भोंसले', 'तांडव' और 'जोरम' जैसी फिल्में

मुंबई। अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी अपकमिंग फिल्म 'गवर्नर' को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता अपनी कुछ पुरानी और यादगार फिल्मों 'भोंसले', 'तांडव' और 'जोरम' के बनने के पीछे की दिलचस्प कहानी साझा की है। उन्होंने बताया कि कई मुश्किल हालात और आर्थिक चुनौतियों ने इन फिल्मों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि कई मुश्किल हालात और आर्थिक चुनौतियों ने इन फिल्मों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही इन तीनों के बीच के गहरे कनेक्शन के बारे में भी बात की। मीडिया से बातचीत में मनोज बाजपेयी ने बताया कि फिल्म मेकर देवाशीष मखीजा सिनेमा में नए थे। उनके साथ सबसे पहले 'तांडव' शॉर्ट फिल्म बनी। मनोज ने कहा, 'देवाशीष के पास संसाधन कम थे। हमने सिर्फ 30-35 लाख रुपए में 'तांडव' बनाई। यह फिल्म यूट्यूब पर बेहद सफल रही और कई अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स भी जीते।''तांडव' की सफलता के बाद 'भोंसले' फिल्म बनी। मनोज बाजपेयी ने फंड जुटाने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'मैं फंड का इंतजाम करने में लगा रहा। आखिरकार 'भोंसले' बन पाई।' 'भोंसले' के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्टर भी मिला था।

'पेड्डी' का जिक्र कर बोलीं अनु अग्रवाल- एक्टर्स को 'नहीं' कहने की हिम्मत रखनी चाहिए, सम्मान सबसे जरूरी

मुंबई। राम चरण- जान्हवी कपूर स्टारर फिल्म 'पेड्डी' को लेकर चल विवाद को लेकर निर्देशक बुची बाबू सना ने भले ही माफी मांग ली हो लेकिन आम जन के साथ ही एक्टर्स भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में महिलाओं को केवल 'दिखावटी' रूप में पेश करने पर बात करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में 'आशिकी' फेम पूर्व अभिनेत्री अनु अग्रवाल ने भी अपने विचार साझा किए।

फिल्म 'पेड्डी' को लेकर चल रहे विवाद पर अनु अग्रवाल ने प्रतिक्रिया दी है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह विवाद उन्हें 30 साल पहले लिए गए अपने फैसले की याद दिलाता है।

अनु अग्रवाल ने लिखा, 'पेड्डी को लेकर चल रही चर्चा ने मुझे बहुत पहले लिए गए एक फैसले की याद दिला दी। मैं आज के दर्शकों की तारीफ करती हूं कि वे आवाज उठा रहे हैं और महिलाओं के किरदार में ज्यादा सम्मान की मांग कर रहे हैं। जिम्मेदारी सिर्फ दर्शकों की नहीं और न ही सिर्फ फिल्ममेकर्स की। यह हम एक्टर्स की भी जिम्मेदारी है।'

उन्होंने आगे बताया, ''आशिकी' के बाद मैंने फैसला किया था कि कोई भी फिल्म साइन करने से पहले पूरी कहानी सुनूंगी। उस समय महिलाओं को सिर्फ वस्तु की तरह दिखाना आम बात थी। मैंने उस चलन के खिलाफ काम करने का फैसला किया। जो फिल्में मैंने कीं, वे इसी फैसले का सबूत हैं। कई मायनों में यही वजह थी कि मैं फिल्मों से दूर हो गई।'

नु अग्रवाल ने यंग एक्टर्स से अपील की कि वे पहले स्क्रिप्ट ध्यान से सुनें, सवाल पूछें और अगर कोई चीज सम्मान से समझौता करती है तो 'ना' कहने की हिम्मत रखें। उन्होंने कहा कि कहानियां तब बदलेंगी जब दर्शक बेहतर की मांग करेंगे, लेकिन तब भी बदलेंगी जब एक्टर्स ऐसी चीजों में हिस्सा लेने से इनकार कर देंगे।

राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' रिलीज के बाद से विवादों में घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार 'अचियम्मा' के कुछ दृश्यों को ऑब्जेक्टिफिकेशन (महिलाओं का वस्तुकरण) बताया गया। सोशल मीडिया पर इसे लेकर खूब आलोचना हुई, खासकर जान्हवी के सीन को लेकर। विवाद बढ़ने पर फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने शनिवार को पोस्ट कर माफी मांगी और विवादित दृश्यों को एडिट करने का ऐलान किया।

डायरेक्टर ने कहा कि उनका मकसद कभी किसी महिला पात्र का अपमान करना नहीं था लेकिन अगर दर्शक असहज महसूस कर रहे हैं तो वे उसका सम्मान करते हैं।

छह साल बाद उत्तर कोरिया पहुंचेंगे शी जिनपिंग, किम जोंग उन के साथ शिखर वार्ता पर दुनिया की नजर

बीजिंग/प्योंगयांग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार से दो दिवसीय (8-9 जून) राजकीय यात्रा पर उत्तर कोरिया पहुंचेंगे। वर्ष 2019 के बाद यह उनकी पहली उत्तर कोरिया यात्रा होगी। इस दौरान उनकी मुलाकात उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से होगी, जहां दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

विश्लेषकों का मानना है कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया के रूस के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में कुछ दूरी की अटकलें लगाई गई थीं। हालांकि, पिछले वर्ष सितंबर में किम जोंग उन की चीन यात्रा और शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात ने दोनों देशों की दोस्ती को फिर से मजबूती देने का संकेत दिया था।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने इस यात्रा को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों के संबंधों के विकास के लिए एक नई रूपरेखा तैयार होगी।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब शी जिनपिंग हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलग-अलग शिखर बैठकें कर चुके हैं। माना जा रहा है कि चीन वैश्विक मंच पर अपने कूटनीतिक प्रभाव को और मजबूत करने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के साथ रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देना चाहता है।

दूसरी ओर, उत्तर कोरिया आर्थिक सहयोग के लिए चीन पर अपनी निर्भरता बनाए रखना चाहता है। साथ ही, अमेरिका द्वारा वार्ता की इच्छा जताए जाने के बीच प्योंगयांग बीजिंग के समर्थन को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। यात्रा से ठीक पहले किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उत्तर कोरिया की परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र की स्थिति को दोहराते हुए परमाणु निरस्त्रीकरण की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया। दुनिया की नजर इस बात पर रहेगी कि कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा और परमाणु मुद्दे पर शी जिनपिंग और किम जोंग उन क्या संदेश देते हैं।

आईडीएफ का दावा: गाजा में हमास नुखबा सेल का कमांडर सक्र अबू करीम ढेर, एक और लड़ाका भी मारा गया

नई दिल्ली। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि हमास के नुखबा सेल कमांडर सक्र अबू करीम को मार गिराया गया। सक्र अबू करीम सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान किसूफिम क्षेत्र में घुसपैठ का नेतृत्व करने वालों में शामिल था। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में बताया, ''हमास के नुखबा सेल कमांडर सक्र अबू करीम को मार गिराया गया। पूरे युद्ध के दौरान अबू करीम इजरायली सेना (आईडीएफ) के जवानों के खिलाफ हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में सक्रिय रहा। हाल ही में उसने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करते हुए हमास को फिर से खड़ा करने की कोशिश की और अपने घर में बड़ी मात्रा में हथियार जमा कर रखे थे।'' आईडीएफ ने दावा किया की इस हमले में हमास के एक लड़ाके को भी मार गिराया गया है, जो संगठन में संचार (कम्युनिकेशन) ऑपरेटिव के तौर पर काम करता था।

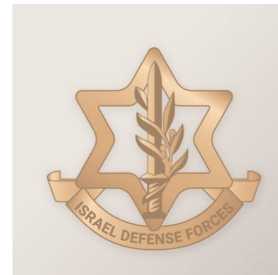

आईडीएफ ने कहा कि हमारी सेना के खिलाफ साजिशों को आगे बढ़ाने की कोशिश के बाद इजरायली सेना और शिन बेट ने उस कमांडर को मार गिराया जो सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान किसूफिम क्षेत्र पर हुए हमले के मुख्य जिम्मेदार लोगों में से एक था। इजरायली सेना और शिन बेट ने पिछले सप्ताह (मंगलवार को) दक्षिणी गाजा पट्टी में एक हमला किया और हमास संगठन के एक एलीट दस्ते के कमांडर सक्र अबू करीम को मार गिराया। करीम उन मुख्य लोगों में शामिल था जिन्होंने सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान किसूफिम क्षेत्र पर हमला किया था। युद्ध के दौरान भी करीम गाजा पट्टी में तैनात इजरायली सेना के खिलाफ साजि?शों को आगे बढ़ाने और उन्हें अंजाम देने में लगा रहा। हाल के समय में उसने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करते हुए अपने घर में बड़ी मात्रा में हथियार जमा कर रखे थे। वह संगठन को फिर से खड़ा करने और आगे की कार्रवाइयों के लिए आतंकवादी प्रशिक्षण आयोजित करने पर भी काम कर रहा था।

इस हमले में सक्र अबू करीम के साथ एक और लड़ाका भी मारा गया, जो हमास संगठन में संचार (कम्युनिकेशन) ऑपरेटिव के रूप में काम करता था। हमले से पहले आम नागरिकों को नुकसान कम से कम हो, इसके लिए कई कदम उठाए गए। इनमें सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों का इस्तेमाल और हवाई निगरानी शामिल थी। दक्षिणी कमान के तहत इजरायली सेना की टुकड़ियां समझौते के अनुसार इलाके में तैनात हैं और किसी भी तत्काल खतरे को खत्म करने के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रखेंगी।

संक्षिप्त खबर

आईएईए की बैठक में ईरान का विरोध: परमाणु ठिकानों पर अमेरिका-इजरायल के हमलों को बताया अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में ईरान ने अपने परमाणु केंद्रों पर हुए हमलों का मुद्दा उठाया। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका और इजरायल की ओर से आईएईए की सुरक्षा निगरानी के तहत आने वाले परमाणु ठिकानों पर किए गए कथित हमलों की कड़ी निंदा की।

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, आईएईए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की विशेष बैठक में ईरान के प्रतिनिधियों ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के उन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया है, जो आईएईए की निगरानी में हैं। उन्होंने ऐसे हमलों और धमकियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने की मांग की। ईरान ने चेतावनी दी कि शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं पर हमलों को सामान्य मान लेना परमाणु अप्रसार व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया कि आईएईए की स्थापना के बाद से यह परमाणु ठिकानों पर हुआ सबसे बड़ा और अभूतपूर्व हमला है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मामले में सख्त और स्पष्ट प्रतिक्रिया देने की अपील की। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधियों ने याद दिलाया कि वर्ष 1981 में इजरायल द्वारा इराक के परमाणु केंद्रों पर किए गए हमले की भी आईएईए ने निंदा की थी। उन्होंने कहा कि आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और जनरल कॉन्फ्रेंस ने विभिन्न प्रस्तावों में यह माना है कि सुरक्षा निगरानी के तहत आने वाले परमाणु ठिकानों पर हमला करना या ऐसी धमकी देना संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और आईएईए के नियमों का उल्लंघन है।

पीएम मोदी का दिया हीरा रखना चाहती थीं जिल बाइडेन, लेकिन इस वजह से अमेरिकी सरकार को लौटाना पड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिए गए हीरे को अपने पास रखना चाहती थीं, लेकिन उसकी अधिक कीमत के कारण उन्होंने उसे संघीय सरकार को लौटा दिया। अपनी आत्मकथा 'व्यू फ्रॉम द ईस्ट विंग: ए मेमोइर' में बाइडेन ने व्हाइट हाउस के जीवन और अमेरिका के प्रथम परिवार को मिलने वाले उपहारों से जुड़े सख्त नियमों का विस्तार से वर्णन किया है। यह पुस्तक इसी सप्ताह बाजार में आई है। बाइडेन को सबसे अधिक याद रहने वाले उपहारों में एक 7.5 कैरेट का लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी वाशिंगटन स्थित राजकीय यात्रा के दौरान भेंट किया था। बाइडेन लिखती हैं, 'कभी-कभी उपहार के रूप में छोटी-छोटी चीजें मिलती थीं, जैसे फूल या शराब, लेकिन कभी-कभी बड़ी चीजें भी मिलती थीं। इनमें 7.5 कैरेट का वह लैब-ग्रोन डायमंड भी शामिल था, जो भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान मुझे दिया था। यह रत्न प्रयोगशाला में निर्मित हीरों के क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के प्रयासों का प्रतीक था। बाइडेन आगे लिखती हैं, 'यह हीरा बेहद खूबसूरत था। अमेरिकी नैतिक नियमों के अनुसार यह उपहार व्यक्तिगत रूप से मेरा नहीं था। तकनीकी रूप से यह मुझे नहीं, बल्कि प्रथम महिला के पद को दिया गया था, इसलिए यह संघीय सरकार की संपत्ति माना गया। उन्होंने बताया कि एक निश्चित मूल्य से अधिक के उपहारों की सरकारी अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाती है और उनका रिकॉर्ड रखा जाता है। ऐसे उपहारों को प्राप्त करने वाला व्यक्ति उनके उचित बाजार मूल्य का भुगतान कर उन्हें खरीद सकता है।

शीर्ष नेतृत्व एकजुट, सीजफायर प्रस्ताव को लेकर कोई मतभेद नहीं: ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरिफ

तेहरान। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है।

ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है।

आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है।

उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है।

आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था।

आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं।

उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया। इसके परिणामस्वरूप सीमा शुल्क विभाग नई व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से काम करने में सफल रहा।

उपराष्ट्रपति ने देशभर के सभी सीमा शुल्क कार्यालयों और बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम परिवहन गलियारों को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया।

आरिफ ने दावा किया कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने की ईरान की रणनीति को रमजान युद्ध के बाद और अधिक गति मिली है। उन्होंने राष्ट्रीय विकास योजनाओं में क्षेत्रीय अवसरों तथा उन देशों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई, जो ईरान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा माने जाते हैं।

परमाणु कार्यक्रम पर उत्तर कोरिया का सख्त रुख, चीन यात्रा से पहले किम यो-जोंग का बड़ा बयान

सोल। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि उनकी परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थिति पूरी तरह अपरिवर्तनीय है। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की बहन किम यो-जोंग ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि उत्तर कोरिया न तो अपनी स्थिति को छोड़ेगा और न अपने परमाणु दर्जे के खिलाफ किसी भी प्रकार की धमकी को बर्दाश्त करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को प्योंगयांग पहुंचने वाले हैं। जोंग के इस बयान को कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने प्रकाशित किया।चीन उत्तर कोरिया का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक सहयोगी माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और कूटनीतिक अलगाव के बीच बीजिंग लंबे समय से प्योंगयांग को समर्थन देता रहा है।

किम यो-जोंग ने अपने बयान में अमेरिका की भी आलोचना की। उन्होंने पिछले महीने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद जारी उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें दोनों नेताओं ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य बताया था। किम ने इसे 'झूठी जानकारी का प्रसार' करार देते हुए कहा कि अमेरिका अभी भी पुराने और अव्यावहारिक सपनों में जी रहा है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताता रहा है। वर्ष 2023 में उसने अपने परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र होने की स्थिति को संविधान में भी शामिल कर लिया था। 2019 में किम जोंग उन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता विफल होने के बाद प्योंगयांग ने अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज गति से आगे बढ़ाया है।

दक्षिण कोरिया में चुनावी धांधली के आरोपों पर तीसरे दिन भी प्रदर्शन जारी, दोबारा चुनाव की मांग

सोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल के पूर्वी हिस्से में एक वोट गिनती केंद्र के पास हजारों प्रदर्शनकारी रविवार को लगातार तीसरे दिन भी धरने पर बैठे रहे। उनका दावा है कि पिछले हफ्ते हुए स्थानीय चुनावों में धांधली हुई है और वे दोबारा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के अनौपचारिक अनुमान के मुताबिक, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर जमा थे। इससे एक दिन पहले पुलिस ने वहां करीब 30,000 लोगों की भीड़ होने का अनुमान लगाया था।

प्रदर्शनकारी इस समय परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों पर मौजूद हैं। वे अंदर रखी बैलेट बॉक्सों (मतपेटियों) पर नजर रखे हुए हैं और चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारे लगा रहे हैं।

बताया गया है कि अंदर फंसे हुए 20 से 30 चुनाव अधिकारी शनिवार तड़के वहां से निकलने में सफल रहे। हालांकि, राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि करने से इनकार कर दिया है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सोल के 12 से ज्यादा मतदान केंद्रों, (जिनमें सोंगपा और गंगनम के केंद्र भी शामिल हैं) पर बैलेट पेपर की कमी की खबरें सामने आई थीं। इसके कारण कुछ समय के लिए मतदान रोकना पड़ा। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ मतदाता वोट डाले बिना ही लौट गए।

इस घटना के बाद राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और आयोग के महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी।

मुख्य विपक्षी दल पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने भी दोबारा चुनाव कराने की मांग तेज कर दी है। पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए राष्ट्रपति ली जे-म्युंग के साथ बातचीत का प्रस्ताव रखा है।

पीपीपी के नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'जब जनता दोबारा चुनाव की मांग कर रही है, तब सिर्फ संसदीय जांच, सत्ताधारी दल की सिफारिश पर विशेष जांच, या चुनाव आयोग के कुछ अधिकारियों को बदल देने से लोगों का बढ़ता गुस्सा शांत नहीं होगा। 'जांग ने इन प्रदर्शनों को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' बताया और कहा कि अब हालात ऐसे हो गए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, 'मैं राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से तुरंत मुलाकात की मांग करता हूं।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप: सात और बच्चों ने गंवाई जान, मृतकों की संख्या 620

ढाका। बांग्लादेश में खसरे जैसे लक्षणों वाली बीमारी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार सुबह 8 बजे तक के 24 घंटों में सात और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 620 हो गई है। यूएनबी समाचार एजेंसी ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के हवाले से बताया कि हाल ही में हुई मौतों को फिलहाल संदिग्ध खसरा मामलों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, संदिग्ध खसरा मौतों की कुल संख्या 529 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला परीक्षण से पुष्टि किए गए मृतकों की संख्या 91 पर स्थिर बनी हुई है।

पिछले 24 घंटों में 1,221 नए संदिग्ध खसरा मामलों की पहचान की गई, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 79,012 हो गई है। इसी अवधि में 66 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिससे संक्रमण के पुष्टि किए गए कुल मामलों की संख्या 9,686 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 15 मार्च से अब तक 64,263 संदिग्ध मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से 60,084 मरीज स्वस्थ होकर अस्पतालों से छुट्टी पा चुके हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से बच्चों का समय पर टीकाकरण कराने और संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की अपील की है। लगातार बढ़ते मामलों ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

रॉयटर्स समेत इंटरनेशनल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च और मई 2026 के बीच बांग्लादेश में खसरे के 62,000 से अधिक संदिग्ध मामले और 8,000 से अधिक लैब से कन्फर्म हुए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए।

बांग्लादेश के अंग्रेजी दैनिक डेली सन के अनुसार अधिकतर बच्चे पांच साल से कम उम्र के थे, और कई को खसरे का पूरा वैक्सीनेशन कोर्स नहीं मिला था। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने भी मौजूदा संकट के पीछे वैक्सीनेशन कवरेज में कमी को एक मुख्य कारण बताया है।

खसरा दुनिया की सबसे ज्यादा फैलने वाली वायरल बीमारियों में से एक है। एक संक्रमित बच्चा आस-पास के लगभग 90 फीसदी बिना वैक्सीन वाले बच्चों में वायरस फैला सकता है।

तुर्किए के विदेश मंत्री ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के नेताओं से की मुलाकात

ढाका। तुर्किए और बांग्लादेश के बीच बातचीत गहरी होती जा रही है। ढाका में तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के तरीके खोजने पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी के नेताओं से भी मुलाकात की। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के गिराए जाने के बाद देश में कुछ समय के लिए यूनुस की सरकार सत्ता में रही। हालांकि, इस साल की फरवरी में देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार की वापसी हुई।

बीएनपी के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश की विदेश नीति में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश का झुकाव तुर्किए और पाकिस्तान जैसे देशों की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

शुक्रवार को नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी ढाका में फिदान से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम कर रहे थे।मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया, 'विदेश मंत्री फिदान ने एनसीपी लीडरशिप को जुलाई रेवोल्यूशन में उनकी अहम भूमिका के लिए बधाई दी, जिसकी वजह से शेख हसीना सरकार गिरी थी। इसके अलावा, तुर्किए के विदेश मंत्री ने कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी के चीफ शफीकुर रहमान की लीडरशिप में छह लोगों के डेलीगेशन से भी मुलाकात की। जमात ने एक्स पर मीटिंग की डिटेल्स साझा करते हुए लिखा, 'बातचीत आपसी फायदे के अलग-अलग मुद्दों पर फोकस रही, जिसमें उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने शामिल है। शुक्रवार को फिदान ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के साथ मीटिंग के दौरान बांग्लादेश के साथ, खासकर रक्षा क्षेत्र में, संबंध मजबूत करने के अंकारा की प्रतिबद्धता को फिर से कंफर्म किया। फिदान गुरुवार रात तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर ढाका पहुंचे और शुक्रवार को खलीलुर के साथ एक रोहिंग्या कैंप भी गए।

अमेरिकी सेना का दावा: होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' मार गिराए

वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने बड़ा दावा किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए खतरा बने ईरान के दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' को मार गिराया गया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में बताया कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के दो ड्रोन मार गिराए हैं। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना ने ईरान के दो ऐसे 'वन-वे अटैक ड्रोन' को मार गिराया, जिनसे होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को खतरा था। अमेरिकी सेना ईरानी आक्रामकता का मुकाबला करने और बचाव जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेंटकॉम के अनुसार, ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाकर ड्रोन लॉन्च किए, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन्हें टकराने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। इस घटना से क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। वैश्विक समुद्री मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एक दिन शनिवार को कुवैत और बहरीन दोनों ने अपने देशों पर ईरान के नए हमलों की कड़ी आलोचना की।

शनिवार को कुवैत और बहरीन दोनों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की घोषणा की, जबकि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दक्षिणी ईरान में केशम द्वीप और सिरिक काउंटी पर पहले हुए अमेरिकी हमलों के बदले में कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट हेडक्वार्टर पर हमला करने की पुष्टि की। आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन में उन्हीं दो अमेरिकी बेस पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की घोषणा की, जो केशम आइलैंड पर आईआरजीसी के कम्युनिकेशन टावर पर रात भर हुए अमेरिकी हमले का बदला था।

बहरीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन हमलों से खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को खतरा है।

बहरीन ने ईरान से अपने हमले रोकने, होर्मुज को बिना किसी रोक-टोक के पूरी तरह से फिर से खोलने और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री नेविगेशन की आजादी का सम्मान करने को कहा। वहीं, कुवैत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लगातार हो रहे हमले ऐसे समय में खतरनाक बढ़ोतरी को दिखाते हैं जब दुनिया भर की कोशिशें एक बड़े क्षेत्रीय झगड़े को रोकने पर फोकस कर रही हैं। हमलों को किसी भी बहाने से सही या स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पीएम मोदी ने एक्टर सलीम कुमार के निधन पर जताया दुख, कहा- यादगार अभिनय से अलग पहचान बनाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मलयालम एक्टर सलीम कुमार के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि सलीम कुमार ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। अपने शानदार करियर के दौरान, उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कई तरह की भूमिकाओं में यादगार अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाई। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।''

केरल राजभवन के आधिकारिक एक्स अकाउंट से जारी संदेश में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सलीम कुमार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत अभिनेता के परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि सलीम कुमार ने मिमिक्री कलाकार के रूप में अपने सफर की शुरुआत की थी और बाद में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता बनकर सिनेमा जगत में एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा, बहुमुखी अभिनय और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने संदेश में कहा कि अभिनेता, हास्य कलाकार, लेखक और निर्देशक के रूप में सलीम कुमार ने अपनी असाधारण प्रतिभा से लाखों लोगों के जीवन में खुशी और गर्मजोशी भरी। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने उन्हें एक महान कलाकार बताते हुए कहा कि अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से उन्होंने पीढ़ियों तक मलयाली दर्शकों को हंसाया, वहीं गंभीर भूमिकाओं में भी अपने शानदार अभिनय से अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि सलीम कुमार की यादगार भूमिकाएं हमेशा दर्शकों के दिलों में जीवित रहेंगी। इस बीच, कोच्चि में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने भी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सलीम कुमार के पार्थिव शरीर के दर्शन कर उन्हें अंतिम सम्मान दिया।

सलीम कुमार ने मलयालम सिनेमा में लगभग तीन दशकों तक योगदान दिया। उन्होंने अपनी कॉमिक भूमिकाओं के साथ-साथ गंभीर किरदारों में भी शानदार अभिनय कर दर्शकों और समीक्षकों की प्रशंसा हासिल की। फिल्म 'आदामिंटे मकन अबू' में उनके अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने अपनी प्रतिभा से लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी और भारतीय सिनेमा में एक अमिट विरासत छोड़ी।

सीएम सैनी का भगवंत मान पर तंज, बोले- मजाक से सिनेमा हॉल चला सकते हैं, सरकार नहीं

धुरी। पंजाब में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मजाक करने के अलावा कुछ नहीं जानते। उन्होंने कहा कि मजाक सिनेमा हॉल चला सकते हैं, लेकिन वे सरकारें नहीं चला सकते। पंजाब के लोग अब झूठे वादों और खोखले आश्वासनों की राजनीति से थक चुके हैं और विकास, अच्छे शासन और पारदर्शी प्रशासन का एक नया रास्ता चुनने के लिए तैयार हैं।

सीएम सैनी रविवार को पंजाब के धुरी में थे। उन्होंने यहां कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता खुद को क्रांतिकारी बताते हैं, लेकिन असल में वे अपनी कमियों को छिपाने की कोशिश में दूसरों के काम और उपलब्धियों के बारे में जनता को गुमराह करते हैं।

उन्होंने कहा कि धुरी मुख्यमंत्री का अपना चुनाव क्षेत्र है, फिर भी उन्होंने न केवल पंजाब से, बल्कि धुरी से भी खुद को दूर कर लिया है। पंजाब कभी डेवलपमेंट के मामले में कई राज्यों से बहुत आगे था, लेकिन अपने फायदे के लिए पॉलिटिकल पार्टियों ने इसे पिछड़े राज्यों की कैटेगरी में धकेल दिया है। आज पंजाब में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई सिर्फ अखबारों के विज्ञापन के जरिए लड़ी जा रही है, जबकि जमीन पर कुछ खास नहीं हो रहा है।

सीएम सैनी ने कहा कि पंजाब के किसान देश के अन्नदाता हैं। इन किसानों ने आम आदमी पार्टी पर भरोसा करके 2022 में उसे वोट दिया, लेकिन न तो सभी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का फायदा मिला है और न ही किसानों को फसल नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जा रहा है।

उन्होंने इसे किसानों के साथ सबसे बड़ा धोखा बताया और कहा कि वे आने वाले चुनावों में इसका जवाब देंगे।

संक्षिप्त खबर

पीएम बालेन के 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जा' बयान पर विदेश मंत्री खनल ने दी सफाई

नई दिल्ली । नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का संसद में दिया 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जा' बयान काफी विवादित बन गया। भारत दौरे पर आए विदेश मंत्री शिशिर खनल से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मंत्रालय पहले ही इस मुद्दे पर आधिकारिक बयान दे चुका है। रविवार को उन्होंने ये बातें नेपाल के दूतावास में आईएएनएस से खास बातचीत में कहीं। आईएएनएस ने नेपाल के प्रधानमंत्री शाह के नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के बयान पर सवाल किया, तो उन्होंने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने पहले ही इस पर स्पष्टीकरण दे दिया है। प्रधानमंत्री उस समय संसद में 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जे' (सीमा-पार कब्जे) से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे, इसलिए हमने इस बारे में पहले ही स्पष्ट कर दिया है। भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए खनल ने बालेन शाह की भारत यात्रा को लेकर कहा, 'फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की गई है। लेकिन मेरे आने से उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले महीनों में दोनों ओर से कई उच्च-स्तरीय दौरे हो सकते हैं। खनल ने भारत-नेपाल संबंधों को भी काफी महत्वपूर्ण बताया। विदेश मंत्री ने कहा, 'हमारे बीच सच में बहुत अच्छे रिश्ते हैं, यह एक ऐतिहासिक रिश्ता है, यह टूरिज्म से लेकर हमारी नदियों, हमारे पानी, हमारी एनर्जी, हमारे परिवारों से जुड़ा हुआ है। इससे पहले प्रेस वार्ता के दौरान खनल ने भारत के साथ अपने रिश्तों को खूबसूरत करार दिया, साथ ही तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे पड़ोसी के साथ और जुड़ने की इच्छा जताई। खनल ने कहा, 'हम भारत को खुले दिल, साफ नजरों और एक ही पारदर्शी एजेंडे, नेपाल के आर्थिक बदलाव से देखते हैं। जब हम बॉर्डर पार देखते हैं, तो हमें एक उभरता हुआ भारत दिखाई देता है, एक ऐसा भारत जिसने ग्लोबल स्टेज पर खुद को एक तेजी से बढ़ते टेक और आर्थिक पावरहाउस के तौर पर बुनियादी तौर पर और खूबसूरती से फिर से बनाया है।

अखिलेश यादव ने राम मंदिर में 'चढ़ावे की रकम गायब' होने पर उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे की कथित करोड़ों रुपये गायब होने के आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए सरकार और मंदिर ट्रस्ट पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि यह मामला करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़ा है और इसकी पारदर्शी जांच होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि चढ़ावे की रकम में अनियमितता के आरोप सामने आए हैं तो संबंधित पक्षों को जनता के सामने जवाब देना चाहिए। उन्होंने न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग करते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफ़ाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है।सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की वृद्धि कर इस सरकार ने लोगों पर महंगाई का एक और बोझ डाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर 89 रुपये महंगा हो चुका है, जबकि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में एक हजार रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

तमिलनाडुः निकाय चुनाव से पहले टीवीके-डीएमके के बीच जुबानी जंग तेज

चेन्नई। तमिलनाडु में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) और विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं और चुनावी नतीजों को लेकर खुली चुनौती दे रहे हैं।

विवाद की शुरुआत उस आरोप से हुई, जिसमें कहा गया कि ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर प्रिया ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान टीवीके विधायक पल्लवी का अपमान किया। यह मामला जल्द ही बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया और दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए।

राज्य के लोक निर्माण विभाग मंत्री आधव अर्जुन ने डीएमके नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए जनप्रतिनिधि का अपमान किया है।

उन्होंने कहा कि टीवीके अब तक संयम बरतती रही है, लेकिन अपने विधायकों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। डीएमके नेतृत्व और उदयनिधि स्टालिन को चुनौती देते हुए उन्होंने दावा किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में डीएमके को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। आधव अर्जुना ने कहा कि राज्य के नगर निगमों में डीएमके एक भी मेयर पद जीतने में सफल नहीं होगी। चेन्नई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए अपना प्रभाव बनाए रखना भी मुश्किल होगा और उसे चुनाव में शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

मंत्री के बयान पर डीएमके के संगठन सचिव आर.एस. भारती ने तुरंत पलटवार किया। उन्होंने आधव अर्जुन की चुनौती को खारिज करते हुए उनके राजनीतिक कद पर सवाल उठाए।

भारती ने कहा कि आधव अर्जुन की हैसियत ऐसी नहीं है कि वे डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन या वरिष्ठ नेता उदयनिधि स्टालिन को चुनौती दें।

तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 1984 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम.जी. रामचंद्रन के नेतृत्व में एआईएडीएमके का दबदबा था, लेकिन 1986 के स्थानीय निकाय चुनावों में डीएमके गठबंधन ने अधिकांश नगरपालिकाओं में जीत हासिल की थी।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे अक्सर विधानसभा चुनावों से अलग होते हैं और डीएमके को पूरा भरोसा है कि जब भी चुनाव होंगे, पार्टी मजबूत प्रदर्शन करेगी। इस दौरान आर.एस. भारती ने कहा कि यदि टीवीके चुनाव में एक भी मेयर पद जीतने में सफल हो जाती है, तो वह अपनी मूंछ का एक हिस्सा मुंडवा देंगे। दोनों दलों के बीच बढ़ती इस जुबानी जंग से साफ संकेत मिल रहे हैं कि तमिलनाडु में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर पहुंचने वाली हैं।

सोने का सौदा और लूट का धंधा: सस्ते में सोना देने का लालच दिखाकर लूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में पुलिस ने सस्ते में सोना देने का लालच दिखाकर लूटपाट करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने लूटपाट गैंग के कुल पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से लाखों की नकदी, सोने के सिक्के और आभूषण जब्त बरामद हुए हैं।

अहिल्यानगर पुलिस के अनुसार, सस्ते में सोना देने का झांसा देकर रायगढ़ जिले के शिकायतकर्ता अनिल नलावडे को अहिल्यानगर तालुका के फ्लाईओवर के पास बुलाया गया था। वहां आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर उनसे सोना और नकदी लूट ली थी। लूटपाट होने के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत कराई। इस पर कार्रवाई करते हुए स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों के नांदेड़ जिले के किनवट क्षेत्र के रहने वाले होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस की टीम ने किनवट पहुंचकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी नांदेड़ जिले के निवासी हैं। उनकी पहचान शिवाजी मोहिते, राजू मोहिते, अक्षय मोहिते, छगन मोहिते और दिनेश जाधव के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 16 लाख रुपए नकद, 2 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण और सोने के सिक्के व एक चार-पहिया वाहन सहित कुल 26 लाख 52 हजार रुपए का माल जब्त किया है। वहीं, महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने पुणे के रहने वाले 27 साल के वरुण खड़ने को सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस के बारे में अश्लील और अपमानजनक बातें पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे मुंबई मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया।

भाजपा नेताओं ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- स्वार्थी लोगों का है इंडिया गठबंधन

कोलकाता/लखनऊ/पटना। इंडिया ब्लॉक की होने वाली बैठक और इसके राजनीतिक प्रभावों को लेकर देशभर में बयानबाजी तेज हो गई है। इंडिया गठबंधन की दिल्ली में होने वाली बैठक को लेकर भाजपा नेताओं ने तंज कसा है और कहा है कि ये गठबंधन सिर्फ कुछ स्वार्थी लोगों का है।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी के दिल्ली जाने को लेकर कहा कि हमें इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि कोई नेता कहां जा रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, 'अगर कोई दिल्ली, अंटार्कटिका या मंगल ग्रह भी जाता है, तो हमें क्या लेना-देना? वे लुधियाना या अमृतसर भी जा सकती हैं।''

उन्होंने कहा कि भाजपा का फोकस पश्चिम बंगाल के विकास पर है। राज्य और केंद्र में हमारी सरकार है और हमारा लक्ष्य राज्य में निवेश लाना, आर्थिक स्थिति सुधारना और शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है। टीएमसी की आंतरिक राजनीति से हमें कोई मतलब नहीं है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इंडिया गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा और टीएमसी सहित इस गठबंधन का भविष्य अंधकारमय है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन जनहित के लिए नहीं बल्कि अपने राजनीतिक हितों के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इंडिया गठबंधन चाहे जितनी बैठकें कर ले, उनकी हार तय है। वे केवल पीएम मोदी और भाजपा का विरोध करने के लिए एकजुट होते हैं। उन्हें 2047 तक इंतजार करना चाहिए।' मौर्य ने कहा कि देश के विकसित होने तक विपक्ष को 'वनवास' पर जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास अपराध और भ्रष्टाचार से जुड़े लोग शामिल हैं।

वहीं, बिहार के पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक मंगल पांडे ने भी इंडिया गठबंधन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन कभी स्थिर या एकजुट नहीं रहा है और यह केवल स्वार्थ आधारित राजनीति करने वालों का समूह है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन देश के विकास या राष्ट्रीय हित के लिए नहीं बल्कि परिवार-आधारित राजनीति के लिए बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इसी कारण कई दल इस गठबंधन से दूरी बना रहे हैं। इंडिया ब्लॉक की बैठकों के बीच लगातार हो रहे इन राजनीतिक हमलों से देश की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर की हत्या के आरोप में पश्चिम बंगाल का कपल गिरफ्तार

नई दिल्ली। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल के एक कपल को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी घटना के तीन दिन बाद हुई है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि हत्या की वजह प्रॉपर्टी का झगड़ा था और आरोपी कपल ने यह अपराध करने के लिए बंगाल से दिल्ली का सफर किया था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर देबोस्मिता पॉल 4 जून को पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट के एक फ्लैट में मृत पाई गईं। जांच से पता चला कि हत्या एक दिन पहले यानी 3 जून को हुई थी। दिल्ली पुलिस को पहले एक आदमी और एक औरत दिखे थे, जिन्होंने मास्क से अपनी पहचान छिपाई हुई थी और वे बैग लिए हुए थे। वे 3 जून को प्रोफेसर के घर में घुसते हुए दिखे थे। माना जाता है कि उसी दिन उनकी हत्या हुई थी, और निकलने से पहले वे लगभग आधे घंटे तक अंदर रहे थे।

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह कपल 3 जून को दोपहर 3:20 बजे एक प्राइवेट कैब से रिहायशी कॉम्प्लेक्स पहुंचा था। कैब ड्राइवर बाहर ही रुका रहा, जबकि बैग लिए हुए एक आदमी और एक औरत अपार्टमेंट बिल्डिंग के अंदर गए।

सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर यह दोनों लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करके फ्लैट तक जाते हुए दिखा। जांचकर्ताओं को शक है कि वहां से निकलने से पहले उस कपल ने परिसर के अंदर लगभग आधा घंटा बिताया। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि बिल्डिंग से बाहर निकलते समय उन्होंने अलग कपड़े पहने हुए थे।

पीएम बालेन के 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जा' बयान पर विदेश मंत्री खनल ने दी सफाई

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का संसद में दिया 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जा' बयान काफी विवादित बन गया। भारत दौरे पर आए विदेश मंत्री शिशिर खनल से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मंत्रालय पहले ही इस मुद्दे पर आधिकारिक बयान दे चुका है। रविवार को उन्होंने ये बातें नेपाल के दूतावास में आईएएनएस से खास बातचीत में कहीं। आईएएनएस ने नेपाल के प्रधानमंत्री शाह के नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के बयान पर सवाल किया, तो उन्होंने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने पहले ही इस पर स्पष्टीकरण दे दिया है। प्रधानमंत्री उस समय संसद में 'क्रॉस-बॉर्डर कब्जे' (सीमा-पार कब्जे) से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे, इसलिए हमने इस बारे में पहले ही स्पष्ट कर दिया है।

भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए खनल ने बालेन शाह की भारत यात्रा को लेकर कहा, 'फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की गई है। लेकिन मेरे आने से उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले महीनों में दोनों ओर से कई उच्च-स्तरीय दौरे हो सकते हैं। खनल ने भारत-नेपाल संबंधों को भी काफी महत्वपूर्ण बताया। विदेश मंत्री ने कहा, 'हमारे बीच सच में बहुत अच्छे रिश्ते हैं, यह एक ऐतिहासिक रिश्ता है, यह टूरिज्म से लेकर हमारी नदियों, हमारे पानी, हमारी एनर्जी, हमारे परिवारों से जुड़ा हुआ है। इससे पहले प्रेस वार्ता के दौरान खनल ने भारत के साथ अपने रिश्तों को खूबसूरत करार दिया, साथ ही तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे पड़ोसी के साथ और जुड़ने की इच्छा जताई। खनल ने कहा, 'हम भारत को खुले दिल, साफ नजरों और एक ही पारदर्शी एजेंडे, नेपाल के आर्थिक बदलाव से देखते हैं।

जब हम बॉर्डर पार देखते हैं, तो हमें एक उभरता हुआ भारत दिखाई देता है, एक ऐसा भारत जिसने ग्लोबल स्टेज पर खुद को एक तेजी से बढ़ते टेक और आर्थिक पावरहाउस के तौर पर बुनियादी तौर पर और खूबसूरती से फिर से बनाया है। हम इस गहरी उम्मीद, लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और लगातार काम करने वाले भारत के साथ जुड़ना चाहते हैं।

इंडिया गठबंधन में तनाव से लेकर बंगाल में मदरसा सर्वे तक, कई मुद्दों पर बोले शिवसेना प्रवक्ता कृष्णा हेगड़े

मुंबई। शिवसेना प्रवक्ता कृष्णा हेगड़े ने रविवार को पश्चिम बंगाल में मदरसों के सर्वे, बिहार की राजधानी पटना स्थित खान ग्लोबल कोचिंग की जांच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और इंडिया गठबंधन के भीतर चल रहे तनाव पर टिप्पणी की।

पश्चिम बंगाल में मदरसों के सर्वे को लेकर कृष्णा हेगड़े ने कहा कि राज्य सरकार को यह जानने का अधिकार है कि मान्यता प्राप्त संस्थानों में किस प्रकार की गतिविधियां संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में बड़ी संख्या में मदरसे स्थापित हुए। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वहां केवल शिक्षा ही दी जा रही है। जिला प्रशासन को जांच और सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं कि वहां क्या पढ़ाया जा रहा है और किस प्रकार की गतिविधियां संचालित हो रही हैं। जिला प्रशासन की रिपोर्ट मिलने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार आगे का निर्णय लेगी।

पटना स्थित खान ग्लोबल कोचिंग की जांच के संबंध में शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि प्रारंभिक स्तर पर भवन की सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन मानकों को लेकर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी सामने आई है कि कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग का सेफ्टी ऑडिट नहीं हुआ है और कुछ अनियमितताएं पाई गई हैं। फायर कंप्लायंस से जुड़े मुद्दों पर नगर निगम ने खान सर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब मिलने के बाद प्रशासन आगे की कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ दिन पहले खान सर के परिचितों और विरोधियों के बीच कथित फायरिंग की घटना की भी चर्चा हुई थी, जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कृष्णा हेगड़े ने उनका बचाव करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान पूरी कोशिश कर रहे हैं कि शिक्षा प्रणाली में जहां-जहां कमियां हैं, उन्हें दूर किया जाए। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों की जांच की जा रही है और आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। शिक्षा मंत्रालय में जो अन्य सुधार आवश्यक हैं, उन्हें लागू करने के लिए भी वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, इंडिया गठबंधन के भीतर कथित मतभेदों को लेकर उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। कृष्णा हेगड़े ने कहा कि डीएमके कई वर्षों तक कांग्रेस की सहयोगी रही है, लेकिन कांग्रेस एक अवसरवादी पार्टी की तरह व्यवहार कर रही है। तमिलनाडु और अन्य राज्यों में उसके फैसलों से सहयोगी दलों में नाराजगी बढ़ी है।

महासागरों की रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा, जानें क्या है क्रायोस्फीयर

नई दिल्ली। पृथ्वी पर मौजूद बर्फ सिर्फ ठंडे इलाकों की पहचान नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया की जलवायु और महासागरों के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। इसी बर्फीले तंत्र को 'क्रायोस्फीयर' कहा जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि महासागरों का भविष्य काफी हद तक क्रायोस्फीयर की स्थिति पर निर्भर करता है। यही वजह है कि आज दुनियाभर में इसके संरक्षण और अध्ययन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पृथ्वी पर बर्फ के सभी रूपों को मिलाकर क्रायोस्फीयर कहा जाता है। यह शब्द ग्रीक भाषा के 'क्रियोस' से लिया गया है, जिसका मतलब है बर्फीली ठंड। आज की जलवायु परिवर्तन की चर्चा में क्रायोस्फीयर बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे महासागरों की सेहत और भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है।

क्रायोस्फीयर में शामिल हैं- जमीन पर पड़ी बर्फ, नदियों और झीलों की बर्फ, हमेशा जमी रहने वाली जमीन (पर्माफ्रॉस्ट), अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड की विशाल हिम वॉल्स, हिमनद (ग्लेशियर), हिम शिखर, बर्फ के टुकड़े (आइसबर्ग) और समुद्री बर्फ। ये सभी मिलकर पृथ्वी के ठंडे इलाकों का निर्माण करते हैं।

अब सवाल है कि इसे महासागरों की रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा, क्यों माना जाता है, क्रायोस्फीयर महासागरों के लिए क्यों इतना जरूरी है? यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन (यूनेस्को) के अनुसार, क्रायोस्फीयर महासागरों को नियंत्रित करने में बड़ी भूमिका निभाता है।

ग्लेशियरों और हिम चादरों से पिघलकर आने वाला मीठा पानी महासागरों की धाराओं को प्रभावित करता है। समुद्री बर्फ सूरज की किरणों को (रिफ्लेक्ट) करती है, जिससे पृथ्वी का तापमान नियंत्रित रहता है। जब यह बर्फ पिघलती है तो समुद्र का जल स्तर बढ़ता है, जिससे तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

यूनेस्को के अनुसार, क्रायोस्फीयर में हो रहे तेज बदलाव पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्री बर्फ कम हो रही है और पर्माफ्रॉस्ट पिघलने से बड़ी मात्रा में मीथेन गैस निकल रही है, जो जलवायु परिवर्तन को और तेज कर रही है। इन बदलावों से समुद्री जानवरों का पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ रहा है, मछली पकड़ने वाले समुदायों की आजीविका प्रभावित हो रही है और तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है।

किन लोगों को होता है टीबी का सबसे ज्यादा खतरा? समय-समय पर जांच जरूरी

नई दिल्ली। तपेदिक (टीबी) आज भी देश की प्रमुख संक्रामक बीमारियों में से एक है। यह बीमारी मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है और समय पर पहचान और इलाज न होने पर गंभीर समस्या बन सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में टीबी होने का खतरा अधिक होता है। ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने के साथ-साथ समय-समय पर जांच कराते रहना चाहिए।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, कुछ खास वर्गों के लोगों में टीबी संक्रमण का खतरा सामान्य लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में इन लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और समय-समय पर स्क्रीनिंग करानी चाहिए ताकि बीमारी शुरुआती चरण में ही पकड़ी जा सके। टीबी पूरी तरह ठीक होने वाली बीमारी है, लेकिन शुरुआती पहचान बहुत जरूरी है।

टीबी मरीज के संपर्क में रहने वाले व्यक्ति को खतरा:- अगर घर या आसपास कोई टीबी का मरीज है तो संक्रमण का खतरा बहुत बढ़ जाता है।

कुपोषण से जूझ रहे लोग :- कमजोर इम्युनिटी और शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण इनमें टीबी आसानी से फैल सकती है।

पिछले 5 साल में टीबी से ठीक हुए मरीज:- पुरानी बीमारी दोबारा लौट सकती है।

एचआईवी से पीड़ित व्यक्ति :- कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण टीबी इनके लिए घातक साबित हो सकती है।

डायबिटीज के मरीज :- ब्लड शुगर कंट्रोल न होने पर टीबी का खतरा बढ़ जाता है।

60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति:- उम्र बढ़ने के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। ऐसे में बढ़ती उम्र में ये खतरा बढ़ जाता है।

लंबे समय से धूम्रपान या शराब का सेवन करने वाले :- सिगरेट या बीड़ी का सेवन फेफड़ों को कमजोर बनाता है। वहीं, लंबे समय से शराब का सेवन करने वाले लोगों के लीवर और इम्युनिटी दोनों को नुकसान पहुंचती है।

भीड़भाड़ वाले स्थानों या स्लम एरिया में रहने वाले :- जेल, अनाथालय, वृद्धाश्रम आदि जगहों पर रहने वाले लोगों के साथ ही स्लम एरिया में निवास करने वाले लोगों को खराब स्वच्छता और रहन-सहन की स्थिति के कारण खतरा अधिक होता है।

नेशनल हेल्थ मिशन का कहना है कि ऊपर बताए गए वर्गों को टीबी संक्रमण का खतरा ज्यादा होने के कारण उन्हें सतर्क रहना चाहिए। खांसी, बुखार, वजन घटना, रात में पसीना आना और थकान जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

वहीं, बचाव के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं, अच्छा और पौष्टिक भोजन लें, धूम्रपान और शराब से दूर रहें।

नर्वस सिस्टम को बिगाड़ता है तनाव, जानें समस्याओं को दूर करने में कैसे मदद करता है योगासन

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक और भावनात्मक परेशानियां आम सी बात बन चुकी हैं। ज्यादातर लोग मानसिक परेशानियों से जूझ रहे होते हैं। लेकिन लोग आमतौर पर इसे आम सी बात समझकर इग्नोर कर देते हैं, जबकि तनाव कई बड़ी शारीरिक और मानसिक समस्याओं की वजह है। हालांकि, इसका समाधान योगासन के पास है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, मानसिक तनाव और भावनात्मक गड़बड़ी सेंट्रल नर्वस सिस्टम को बहुत अधिक एक्टिव कर देती है। इससे नींद आने में समस्या होती है, मन अशांत रहता है और शरीर का तालमेल बिगड़ जाता है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे तो थकान, चिड़चिड़ापन और कई स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।

योग एक्सपर्ट के अनुसार, नियमित योग अभ्यास इन समस्याओं का बेहतरीन उपाय है।

योग मन को शांत करता है, कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर कम करता है और नींद का नेचुरल पैटर्न सुधारता है। जब मन शांत होता है तो शरीर भी अपनी प्राकृतिक लय में वापस आ जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार योग के नियमित अभ्यास से न सिर्फ नींद अच्छी आती है बल्कि भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है। इससे रोजमर्रा के तनाव को कंट्रोल करना आसान हो जाता है और सेहत में भी सुधार होता है।

योग एक्सपर्ट बताते हैं कि योगासन कैसे मदद करता है? यह मन को शांत कर तनाव वाले हार्मोन कोर्टिसोल को कम करता है, नर्वस सिस्टम को संतुलित रखता है। गहरी और अच्छी नींद दिलाता है और भावनात्मक स्थिरता बढ़ाता है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि व्यस्त जीवनशैली में छोटी-छोटी योग क्रियाएं जैसे प्राणायाम, ध्यान और आसन भी बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। रोजाना सिर्फ 15-20 मिनट योग करने से मानसिक शांति मिलती है और नींद की समस्या दूर होती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि सुबह या शाम के समय शांत वातावरण में योग करें। खासकर जो लोग अनिद्रा, चिंता या तनाव से ग्रस्त हैं, उन्हें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवसः राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के नेताओं ने दी शुभकामनाएं

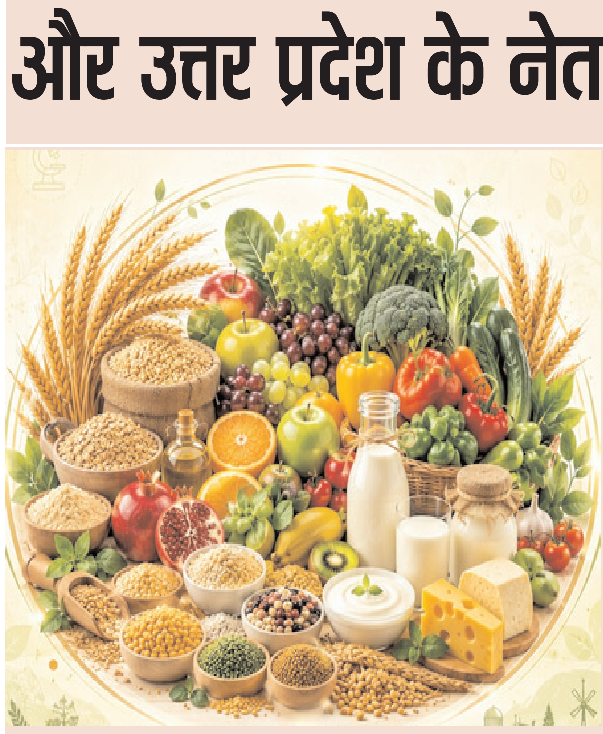

नई दिल्ली। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व मंत्रियों ने प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खाद्य पदार्थों की शुद्धता, गुणवत्ता, पौष्टिकता सुनिश्चित करने, खाद्य अपव्यय रोकने और स्वस्थ समाज के निर्माण पर जोर दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिखा, 'समस्त प्रदेशवासियों को 'विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण हेतु खाद्य पदार्थों की शुद्धता, गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, इस अवसर पर सुरक्षित एवं स्वच्छ खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का संकल्प लें।'

राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने लिखा, 'आप सभी को विश्व खाद्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हर व्यक्ति को पर्याप्त, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो।'

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा, 'आप सभी को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, सुरक्षित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन को अपनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। स्वस्थ भोजन ही स्वस्थ जीवन और समृद्ध भविष्य की आधारशिला है।'

बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जयसवाल ने लिखा, 'विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर आइए आज हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम भोजन की बर्बादी को पूरी तरह रोकेंगे, पौष्टिक एवं सुरक्षित खान-पान की आदतें अपनाएंगे और समाज में खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे। एक स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा, 'विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं तथा अन्न उत्पादन के माध्यम से राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने वाले हमारे अन्नदाता किसानों को सादर नमन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए करोड़ों जरूरतमंद नागरिकों तक खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। यह प्रयास अंत्योदय और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

टीबी मरीजों के लिए जरूरी पौष्टिक भोजन, उपचार के दौरान थाली में रखें ये चीजें, रिकवरी होगी तेज

नई दिल्ली। टीबी (क्षय रोग) आज भी देश में एक स्वास्थ्य समस्या है। उपचार के दौरान दवाओं के साथ-साथ संतुलित और पोषण युक्त आहार का विशेष महत्व है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, पौष्टिक भोजन मरीज के शरीर को जरूरी ऊर्जा और ताकत प्रदान करता है, रोग से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है और जल्दी स्वस्थ होने में मदद करता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, टीबी के इलाज के दौरान मरीज का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। ऐसे में पौष्टिक आहार शरीर को ताकत देता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और संक्रमण से बचाव में सहायक होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि दवाओं के साथ सही खानपान अपनाने से रिकवरी तेज होती है और इलाज का असर भी बेहतर आता है।

पौष्टिक आहार टीबी मरीज को न सिर्फ शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। मरीजों की थाली में अनाज और मिलेट्स, दालें और प्रोटीन, फल और सब्जियों (विशेषकर मौसमी) आदि को जरूर शामिल करें।

अनाज और मिलेट्स:- मक्का, चावल, ज्वार, बाजरा और गेहूं जैसे अनाज ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं। ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।

दालें और प्रोटीन:- मटर, बीन्स, मसूर, चना, राजमा और अन्य दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। ये मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं और शरीर की मरम्मत में मदद करती हैं।

फल और सब्जियां:- मौसमी फल और हरी सब्जियां विटामिन, मिनरल्स और फाइबर प्रदान करती हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अन्य जरूरी चीजें:- पर्याप्त मात्रा में खाद्य तेल-घी, गुड़, दूध और दही का सेवन भी फायदेमंद है। पनीर या सोया को आहार में शामिल किया जा सकता है। टीबी उपचार के दौरान ताजा और घर का बना भोजन खाएं। ज्यादा तला-भुना, जंक फूड और बाहर के खाने से पूरी तरह से सावधानी बरतें। दिन में कम से कम 3 समय का पौष्टिक भोजन और बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।

गोमुखासन से दूर करें गर्दन-पीठ का दर्द, सुधारें पोस्चर

नई दिल्ली। योग दिवस अब सिर्फ 15 दिन दूर है। 21 जून को पूरा देश और दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। ऐसे में आयुष मंत्रालय गोमुखासन जैसे आसान और प्रभावी आसन की सलाह दे रहा है। यह आसन रोजाना थोड़ा समय निकालकर किया जा सकता है। इससे शरीर लचीला बनता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रोजमर्रा की थकान दूर होती है।

गोमुखासन का नाम गाय के मुंह की तरह दिखने वाले घुटनों और पैरों की स्थिति से पड़ा है। यह आसन खासतौर पर कंधे, पीठ, गर्दन और पैरों पर काम करता है। इसमें शरीर को अच्छी तरह स्ट्रेच मिलता है। शुरुआती लोग भी आसानी से सीख सकते हैं।

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय बताता है कि गोमुखासन का अभ्यास कैसे करें। इसके लिए सबसे पहले आराम से फर्श पर बैठ जाएं। बाएं पैर को मोड़कर दाएं कूल्हे के पास रखें। दाएं पैर को मोड़कर बाएं पैर के ऊपर रखें ताकि घुटने एक-दूसरे के ऊपर आएं। अब दाएं हाथ को पीछे की तरफ से कमर की ओर ले जाएं और बाएं हाथ को ऊपर से कमर की ओर ले आएं। दोनों हाथों की उंगलियां एक-दूसरे को पकड़ने

की कोशिश करें। सीधे बैठकर 30 सेकंड से शुरू करके धीरे-धीरे 1-2 मिनट तक रहें। इस दौरान सांस सामान्य रखें। फिर पैर और हाथ बदलकर दूसरी तरफ दोहराएं।

गोमुखासन शरीर को स्ट्रेच करता है और मजबूत बनाता है। यह लचीलापन बढ़ाता है और शरीर की पोस्चर को सुधारता है। कंधों, गर्दन और पीठ की अकड़न दूर होती है। पैरों में ऐंठन कम होती है और पैर लचीले बनते हैं। यह फ्रोजन शोल्डर, गर्दन के दर्द और सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस जैसी समस्याओं में बहुत कारगर है। पीठ और बाइसेप्स की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

यही नहीं यह रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है। फेफड़ों की अच्छी एक्सरसाइज होती है, जिससे सांस की बीमारियां कम होती हैं। रोजाना 5-10 मिनट इस आसन का अभ्यास करने से शरीर में मजबूती और स्थिरता आती है। सुबह खाली पेट या शाम को हल्का भोजन करने के बाद इसे किया जा सकता है।

गोमुखासन जैसे आसनों से आप अपनी दिनचर्या की शुरुआत कर सकते हैं। यह व्यस्त जीवनशैली में तनाव कम करने और सेहत सुधारने का आसान तरीका है। रोजाना 10-15 मिनट अभ्यास करने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। गोमुखासन न सिर्फ शरीर बल्कि मन को भी शांत करता है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इसे कर सकते हैं। अगर कोई गंभीर बीमारी है तो डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

'अनसेफ फूड' बना काल, हर साल 15 लाख लोगों की जा रही जान : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'अनसेफ फूड' यानी असुरक्षित और दूषित भोजन को हर साल 15 लाख लोगों की मौत का कारण बताया है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के हवाले से चेतावनी दी है कि इस समस्या का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर पड़ता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार ये आज भी वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

रिपोर्ट में वर्ष 2000 से 2021 के बीच 194 देशों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि हर साल लगभग 88.6 करोड़ लोग असुरक्षित भोजन खाने से बीमार पड़ते हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में यह खतरा अन्य लोगों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, 'खाद्य सुरक्षा केवल एक स्वास्थ्य मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हर परिवार और हर व्यक्ति के दैनिक जीवन से जुड़ा विषय है। सुरक्षित भोजन सभी लोगों का अधिकार है। इसके लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा।'

रिपोर्ट के अनुसार, दूषित भोजन से होने वाली बीमारियों के मामले पिछले दो दशकों में कुछ कम हुए हैं, लेकिन दुनिया के कई क्षेत्रों में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन दोनों क्षेत्रों में खाद्यजनित बीमारियों के लगभग 75 प्रतिशत मामले और 60 प्रतिशत मौतें होती हैं।

भारतीय महिला टीम ने 4x100 मीटर रिले रेस में जीता गोल्ड

शानदार प्रदर्शन के साथ बनाया नया मीट रिकॉर्ड 44.07 सेकंड

न्यू ताइपे सिटी | भारत की महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता और नया मीट रिकॉर्ड बनाया।

श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में **44.07 सेकंड** का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। भारत ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ते हुए वियतनाम को 0.31 सेकंड से हराया।

गोल्ड मेडल विजेता – महिला 4x100 मीटर रिले			
श्राबनी नंदा	एस.एस. स्नेहा	सुदेशना शिवंकर	तमन्ना
समय: 44.07 सेकंड	नया मीट रिकॉर्ड		

फील्ड इवेंट्स और ट्रैक इवेंट्स में भी भारत को मिली सफलता

लंबी कूद – महिला

शैली सिंह ने जीता गोल्ड

शैली सिंह ने लंबी कूद में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6.24 मीटर की जंप के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बेस्ट जंप: 6.24 मीटर

110 मीटर हर्डल्स – पुरुष

तेजस शिरसे ने जीता सिल्वर

तेजस शिरसे ने बेहतरीन दौड़ लगाते हुए 13.50 सेकंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

समय: 13.50 सेकंड

अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन

अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत ने जीते रिकॉर्ड 19 मेडल
महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने 45.05 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता।
टीम: काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती, निपम

पुरुष 4x400 मीटर रिले टीम ने बनाया नया मीट रिकॉर्ड
3:07.38 सेकंड के मीट रिकॉर्ड के साथ टीम तीसरे स्थान पर रही।
टीम: पीयूष राज, सैयद सबीर, रंजीत कुमार एस, मो. अशफाक

" यह जीत भारतीय एथलेटिक्स के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। आने वाले समय में और बड़ी उपलब्धियाँ हमारा इंतजार कर रही हैं।

सर्वाधिक बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीमें? ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। आइए आपको बताते हैं कि किस टीम ने सर्वाधिक बार जीता है महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब।

ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा: महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल 6 बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में वर्ल्ड कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी।

इंग्लैंड: महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को 6 विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में 8 विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था।

न्यूजीलैंड टीम: साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को 32 रनों से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 9 विकेट खोकर 126 रन ही बना सकी थी। अमेलिया केर की कप्तानी में न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

सिर्फ खेलना नहीं है, 10 से 20 साल तक दबदबा बनाए रखना है: वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 साल तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं।

राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जीता देता था।

उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं।'

15 वर्षीय बल्लेबाज ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया। ऐसा खेलना है कि अगले 10 से 20 साल तक दबदबा बनाए रखना है और अच्छा क्रिकेट खेलना है। मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, क्योंकि मुझे आनंद आता था और मैं इस खेल को खेलते हुए पूरी जिंदगी आनंद लेना चाहता हूं।'

वैभव के पास अब इंटरनेशनल स्टेज पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य सिलेक्टर अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते सिलेक्शन कमिटी को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाली 5 खिलाड़ी, हरमनप्रीत भी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 11 जून से टूर्नामेंट के 10वें संस्करण का आगाज होने जा रहा है। आइए आपको बताते हैं क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के विश्व कप में किन खिलाड़ियों ने सर्वाधिक कैच पकड़े हैं।

सूजी बेट्स: न्यूजीलैंड की स्टार खिलाड़ी सूजी बेट्स महिला टी20 विश्व कप में सर्वाधिक कैच पकड़ने वाली खिलाड़ी रही हैं। बेट्स ने अब तक विश्व कप में खेले 42 मुकाबलों में कुल 26 कैच पकड़े हैं। बेट्स उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं, जो साल 2009 से महिला टी20 वर्ल्ड कप के हर संस्करण में खेलती नजर आई हैं।

सोफी डिवाइन: महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर भी न्यूजीलैंड टीम की खिलाड़ी का नाम है। अनुभवी सोफी डिवाइन इस टूर्नामेंट में अब तक खेले 38 मुकाबलों में कुल 19 कैच ले चुकी हैं। टी20 विश्व कप 2026 को उनका आखिरी वर्ल्ड कप भी माना जा रहा है। टी20 विश्व कप 2024 में सोफी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कीवी टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

जेनिफर गन: इंग्लैंड की खिलाड़ी जेनिफर गन टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक कैच लेने वाली तीसरी खिलाड़ी रही हैं। गन ने महिला टी20 वर्ल्ड कप में कुल 24 मुकाबलों में 16 कैच पकड़े हैं। वह बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन करने के लिए जानी जाती हैं। गन ने साल 2019 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था।

एलिसा पेरी: महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने के मामले में चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज ऑलराउंडर एलिसा पेरी हैं।

पेरी ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के विश्व कप में खेले 47 मुकाबलों में कुल 15 कैच पकड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को छह बार अपने नाम किया है, जिसमें पेरी ने बेहद अहम भूमिका निभाई है।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वालीं 5 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 9 संस्करण खेले जा चुके हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक 6 ट्रॉफी अपने नाम कीं, जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड ने 1-1 बार खिताब जीता। आइए, टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली 5 भारतीय महिला खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। हरमनप्रीत कौर: भारतीय कप्तान ने वर्ल्ड कप के साथ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। तब से लेकर अब तक हरमनप्रीत टी20 वर्ल्ड कप के सभी संस्करणों में भारतीय टीम का प्रमुख हिस्सा रही हैं। कौर ने अब तक 39 टी20 वर्ल्ड कप मैच खेले हैं, जिसमें 25.03 की औसत के साथ 726 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 4 अर्धशतक निकले। कौर इस लिस्ट में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' पायदान पर हैं। उनके पास इस विश्व कप में 1,000 रन का आंकड़ा छूने का शानदार मौका होगा।मिताली राज: हरमनप्रीत कौर की बराबरी पर मिताली राज हैं, जिन्होंने 24 मुकाबलों में 40.33 की औसत के साथ 726 रन बनाए हैं। इस दौरान मिताली के बल्ले से 5 अर्धशतक भी निकले। मिताली ने टी20 वर्ल्ड कप में 1 छक्का और 79 चौके लगाए हैं।

स्मृति मंधाना: साल 2014 से अब तक इस दिग्गज महिला बल्लेबाज ने 25 टी20 वर्ल्ड कप मैच खेले हैं, जिसमें 21.83 की औसत के साथ 524 रन बनाए। इस दौरान मंधाना ने 4 अर्धशतकीय पारियां भी खेलीं। वर्ल्ड कप में मंधाना 11 छक्के और 65 चौके लगा चुकी हैं।

जेमिमा रोड्रिगेज: दाएं हाथ की बल्लेबाज ने साल 2018 से 2024 के बीच टी20 वर्ल्ड कप के 19 मुकाबलों में अब तक 23.94 की औसत के साथ 407 रन बनाए हैं। इस दौरान रोड्रिगेज के बल्ले से 4 शतक निकले।

पूनम राउत: साल 2009 से 2014 के बीच इस खिलाड़ी ने 15 मुकाबलों में 31.25 की औसत के साथ 375 रन बनाए हैं। इस दौरान 3 अर्धशतकीय पारियां भी शामिल रहीं।

फीफा वर्ल्ड कप: फ्रेंडली मुकाबले में ब्राजील-जर्मनी ने दर्ज की जीत, बेल्जियम ने ट्यूनीशिया को 5-0 से रौंदा

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों के बीच कई बड़ी टीमों ने फ्रेंडली मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। ब्राजील, जर्मनी और पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, जबकि बेल्जियम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-0 से रौंदा।

ब्राजील ने मिस्त्र को 2-1 से हराकर अपने वर्ल्ड कप अभियान की तैयारियों को पुख्ता किया। मैच में ब्राजील की तरफ से ब्रूनो गुइमारेस और एंड्रिक ने गोल किए। गुइमारेस ने पहले हाफ में 18-यार्ड बॉक्स के पास शानदार फिनिश करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, मिस्त्र ने मुस्तफा जिको के गोल से वापसी की।

डिफेंडर मार्क्विनहोस की हुई गलती का मिस्त्र ने भरपूर फायदा उठाया। पहले हाफ में स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ में बदलाव के तौर पर आए युवा खिलाड़ी एंड्रिक ने राफिन्हा के क्रॉस पर बेहतरीन गोल करके ब्राजील को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद ब्राजील ने बढ़त बनाए रखी और मैच को 2-1 से अपने नाम किया।

वहीं,जर्मनी ने अमेरिका के खिलाफ शिकागो के सोल्जर फील्ड में शानदार प्रदर्शन किया। जर्मनी के लिए पहला गोल काई हैवर्ट्ज ने दागा, लेकिन अमेरिका ने एंटोनी रॉबिन्सन के दमदार गोल से बराबरी कर ली।

'द लास्ट डांस' : नेमार ने दिए संकेत, करियर का आखिरी हो सकता है फीफा वर्ल्ड कप 2026

नई दिल्ली। ब्राजील के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी नेमार ने संकेत दिया है कि गुरुवार से शुरू होने वाला फीफा वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा।

ब्राजील रिकॉर्ड 23वीं बार फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। ब्राजील इकलौती ऐसी टीम है जिसने वर्ल्ड कप के हर संस्करण में हिस्सा लिया है। फीफा विश्व कप का आयोजन पहली बार तीन देशों की मेजबानी में किया जा रहा है। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा इस मेगा इवेंट की संयुक्त मेजबानी करेंगे। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के नेमार ने यह बयान फीफा के एक सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में दिया, जिसमें नेमार के करियर की तस्वीरों के साथ लिखा था, 'हमने उन्हें बड़ा होते देखा है।' सैंटोस के अटैकर ने कमेंट बॉक्स में जवाब में 1997-98 में शिकागो बुल्स के साथ एनबीए के लेजेंड माइकल जॉर्डन के आखिरी सीजन से जुड़ी एक लाइन का इस्तेमाल करते हुए लिखा, 'द लास्ट डांस'।

नेमार, ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में 79 गोल के साथ सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। अक्टूबर 2023 में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के बाद से वे ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं। इसके बाद से उन्हें कई चोटें लगी हैं, जिनमें से सबसे नई चोट पिंडली में खिंचाव है, जिसकी वजह से वे 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ब्राजील के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे।

नेमार ने साउथ अफ्रीका में फीफा वर्ल्ड कप 2010 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने ईस्ट रदरफोर्ड में अमेरिका के खिलाफ 2-0 की जीत में सिर्फ 28 मिनट में शानदार गोल किया था। वे 2014 वर्ल्ड कप में अपने देश में गोल्डन बॉय रहे थे। हालांकि, कोलंबिया के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल जीत में पीठ की चोट के कारण उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा था। नेमार ने रियो 2016 में ब्राजील को ओलंपिक गोल्ड दिलाया, और माराकाना में अपने ही फैंस के सामने पेनल्टी पर शानदार गोल करके टीम को विजेता बनाया। हालांकि, 2018 वर्ल्ड कप में नेमार चोटों से काफी परेशान रहे और इस विश्व कप में कुछ खास असर नहीं डाल सके।

गिल-राहुल ने खेली शतकीय पारी, भारत ने 8 विकेट खोकर 564 रन बनाकर घोषित की पहली पारी

न्यू चंडीगढ़। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम ने 8 विकेट खोकर 564 रन बनाने के बाद अपनी पहली पारी को घोषित किया।

टेस्ट के दूसरे दिन की शुरुआत शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने 48 रन जोड़कर की। कप्तान गिल 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, पंत ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। पंत अपने शतक से चूक गए। ध्रुव जुरेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 19 रन बनाकर आउट हुए।

पंत-जुरेल के पवेलियन लौटने के बाद वॉशिंगटन सुंदर और मानव सुथार ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर सातवें विकेट के लिए 85 गेंदों में 54 रनों की अहम साझेदारी निभाई। अपनी डेब्यू पारी में मानव 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मोहम्मद सिराज ने भी 12 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। सुंदर एक छोर संभालकर खड़े रहे और वह 68 गेंदों में 52 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया।

सुंदर ने सिराज के साथ मिलकर 23 गेंदों में 30 रनों की साझेदारी की, जबकि कुलदीप यादव संग मिलकर 24 रन जोड़े। कुलदीप 9 रन बनाकर नाबाद रहे। यशस्वी जायसवाल ने 24 रनों का योगदान दिया। वहीं, केएल राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 165 गेंदों में 100 रनों की दमदार पारी खेली। साई सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 81 रन बनाए।

गेंदबाजी में अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट चटकाए। वहीं, जियाउर रहमान और हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। अफगानिस्तान के खिलाफ यह किसी भी टीम द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके साथ ही साल 2023 के बाद भारतीय टीम ने पहली बार 550 से ज्यादा रनों का स्कोर बनाया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415